Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा,हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़ मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवन्बद में प्रसारित

दैनिक गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वेलकम इंडिया

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 116 | शुक्रवार, 01 मई-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

लोकसभा में नारी शक्ति वंदन अधिनियम का महत्वपूर्ण प्रस्ताव गिराकर विपक्ष ने कलंक बनने का काम किया: मुख्यमंत्री

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

उत्तर प्रदेश। उत्तर प्रदेश विधानसभा के विशेष सत्र में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष, विशेषकर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर कड़ा हमला बोला। महिला सशक्तिकरण के मुद्दे पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्षी दलों ने हमेशा महिलाओं की गरिमा, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता से जुड़ी योजनाओं का विरोध किया है। उन्होंने संसद से लेकर सड़क तक विपक्ष के रवैये को 'दोहरा' करार दिया।

'महिलाओं के उत्थान का हमेशा हुआ विरोध'

मुख्यमंत्री ने सदन में 'INDIA' गठबंधन की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकार द्वारा महिलाओं के लिए उठाए गए हर प्रगतिशील कदम में विपक्ष ने अड़ंगा लगाया है।

संसदीय आचरण: योगी आदित्यनाथ ने लोकसभा में महिला आरक्षण बिल पर हुई चर्चा का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां भी विपक्षी दलों का नकारात्मक रवैया पूरे देश ने देखा।

अस्थिरता का आरोप: उन्होंने कहा कि विपक्ष विकास की बात तो करता है, लेकिन जब सदन में ठोस प्रस्ताव आते हैं, तो वे अपनी राजनीति चमकाने के लिए उनका विरोध करते हैं।

उन्होंने कहा, 'महिलाओं के उत्थान, सम्मान और आत्मनिर्भरता के लिए उठाए गए किसी भी प्रगतिशील कदम का विपक्षी पार्टियों ने हमेशा विरोध किया है।' उन्होंने संसद में हुई पिछली बहसों का भी ज़िक्र किया और दावा किया कि लोकसभा में चर्चा के दौरान भी ऐसा ही रवैया देखने को मिला था।

योगी आदित्यनाथ ने जन स्वास्थ्य प्रयासों, विशेष रूप से एन्सेफलाइटिस जैसी बीमारियों के खिलाफ लड़ाई के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि पहले उत्तर प्रदेश के कई ज़िलों में एन्सेफलाइटिस के मामले बड़ी संख्या में सामने आते थे, लेकिन पिछली सरकारें इसे नियंत्रित करने में नाकाम रही थीं।

उन्होंने कहा, 'आपके ज़िलों में एन्सेफलाइटिस की वजह से सबसे ज्यादा मौतें होती थीं। आप कुछ नहीं कर पाए। आज, डबल-इंजन सरकार के तहत, उत्तर प्रदेश में एन्सेफलाइटिस से कोई मौत नहीं होती।'

मुख्यमंत्री ने पिछली ग्रामीण स्थितियों के बारे में भी कड़े बयान दिए, और कहा कि पहले गाँवों में महिलाओं को असुरक्षित स्थितियों का सामना करना पड़ता था, खासकर शाम के समय। उन्होंने दावा किया कि साफ-सफाई की कमी की वजह से महिलाओं को असुरक्षित स्थितियों में जाना पड़ता था और सार्वजनिक जगहों पर छेड़छाड़ की घटनाएँ होती थीं।

उन्होंने आगे कहा कि स्वच्छ भारत मिशन लागू होने के साथ ही यह स्थिति बदल गई है, जिसका मुख्य जोर ग्रामीण इलाकों में शौचालय बनाने और साफ-सफाई को बेहतर बनाने पर था।

विपक्ष के रवैये पर हमला

योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष के व्यवहार की भी आलोचना की, और कहा कि उनका रुख मंच के हिसाब से बदलता रहता है। उन्होंने कहा, 'संसद में और इस सदन में आपका व्यवहार पूरी तरह से अलग होता है। आप जिस तरह से रंग बदलते हैं, उसे देखकर तो गिरगिट भी शर्मा जाए।'

उन्होंने आगे कहा कि जहाँ एक तरफ विपक्षी पार्टियाँ अक्सर विकास का समर्थन करने का दावा करती हैं, वहीं सदन में जब ऐसे ही प्रस्ताव पेश किए जाते हैं, तो वे उनका विरोध करती हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा, गरिमा और स्वास्थ्य सरकारी नीतियों के केंद्र में हैं, और उन्होंने बड़े पैमाने पर सुधार लाने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शुरू की गई राष्ट्रीय पहलों को दिया।

गेस्ट हाउस कांड का मुद्दा फिर उठाया

महिलाओं की सुरक्षा और गरिमा के मुद्दे पर समाजवादी पार्टी पर हमला बोलते हुए उट ने 1995 के 'स्टेट गेस्ट हाउस कांड' का भी ज़िक्र किया। उन्होंने कहा कि यह घटना विपक्षी पार्टी के पिछले आचरण की याद दिलाती है। योगी आदित्यनाथ ने मायावती से जुड़ी उस घटना को याद किया, जब 1995 में राजनीतिक तनाव के दौरान एक स्टेट गेस्ट हाउस में कथित तौर पर उन पर हमला किया गया था। उन्होंने कहा, 'हर किसी को 1995 की वह घटना याद है, जब राज्य की पहली दलित मुख्यमंत्री को गेस्ट हाउस में हमले का सामना करना पड़ा था। यह समाजवादी पार्टी के आचरण को दशार्ता है।' मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि उस समय बीजेपी ने मायावती का समर्थन करने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हस्तक्षेप किया था। उन्होंने दिवंगत इखढ नेता ब्रह्म दत्त द्विवेदी का ज़िक्र करते हुए दावा किया कि उस घटना के दौरान उनकी सुरक्षा करने में उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी। योगी आदित्यनाथ ने महिलाओं की गरिमा को लेकर विपक्ष के दावों पर सवाल उठाते हुए कहा कि इस तरह की पिछली घटनाएं उनके रिकॉर्ड को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा करती हैं। उन्होंने आगे कहा कि ऐसे कई उदाहरण हैं, और इसे महिलाओं के सम्मान से जुड़े मुद्दों की एक 'लंबी सूची' बताया।

बच्ची को पढ़ाई करनी चाहिए, लेकिन उसे मां बनाने पर तुले हैं: रेप पीड़िता के गर्भपात मामले में सुप्रीम कोर्ट नाराज

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत के सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को केंद्र सरकार पर नाराजगी जाहिर की। सरकार ने कोर्ट के पिछले आदेश के खिलाफ एक क्यूरेटिव याचिका दायर की थी, जिसमें 15 साल की एक रेप पीड़िता को 31 हफ़्ते की प्रेग्नेंसी खत्म करने की इजाजत दी गई थी। कोर्ट ने साफ किया कि ऐसा फैसला पीड़िता और उसके परिवार का होना चाहिए, न कि सरकार का। चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने सरकार के इस कदम पर कड़ा एतराज जताते हुए कहा, 'नागरिकों का सम्मान करें, मैडम... आपको इसे चुनौती देने का कोई अधिकार नहीं है... सिर्फ.पीड़िता या उसका परिवार ही इसे चुनौती दे सकता है।' बेंच ने जोर देकर कहा कि नाबालिग को जिस मानसिक पीड़ा से गुजरना पड़ा है, उसे मापा नहीं जा सकता; साथ ही यह भी कहा कि उसने जो कुछ सहा है, उसकी कोई भी चीज सचमुच भरपाई नहीं कर सकती। जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने भी सरकार के रुख पर सवाल उठाते हुए कहा कि हम व्यक्तिगत पसंद का सम्मान करते हैं, और आपको भी करना चाहिए। अदालत ने कहा कि माता-पिता को चिकित्सा संबंधी जानकारी दी जानी चाहिए और उन्हें यह तय करने की अनुमति मिलनी चाहिए कि बच्चे के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए सबसे अच्छा क्या है। एक अहम टिप्पणी में कोर्ट ने सुझाव दिया कि मौजूदा कानूनों में बदलाव की जरूरत हो सकती है। कोर्ट ने कहा कि जब रेप की वजह से प्रेग्नेंसी होती है, तो कोई समय सीमा नहीं होनी चाहिए। कानून को लचीला और बदलते समय के साथ तालमेल बिठाने वाला होना चाहिए। सरकारी वकीलों की तरफ से सरकार ने दलील दी कि इस स्टेज पर प्रेग्नेंसी खत्म करना रिस्की हो सकता है। सरकार ने सुझाव दिया कि नाबालिग लड़की प्रेग्नेंसी को पूरा होने दे और बच्चे को गोद देने के लिए दे दे।

दिल्ली में राजनाथ सिंह की अहम बैठक, पश्चिम एशिया के तनाव के बीच इटली से रक्षा सहयोग पर हुई चर्चा

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को अपने इतालवी समकक्ष गुइडो क्रोसेटो से मुलाकात की और रक्षा सहयोग तथा पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति पर विस्तार से चर्चा की। अपनी मुलाकात के बारे में बात करते हुए राजनाथ सिंह ने पोस्ट किया, अपने इतालवी समकक्ष श्री गुइडो क्रोसेटो का स्वागत करके और आज दिल्ली में उनके साथ विस्तार से चर्चा करके मुझे खुशी हुई। हमने पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति सहित कई क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की। हमने भारत के 'आत्मनिर्भर भारत' कार्यक्रम और इटली की रक्षा सहयोग पहल के तहत आपसी रूप से लाभकारी रक्षा औद्योगिक सहयोग को और विकसित करने के तरीकों पर भी चर्चा की। दोनों देशों के सशस्त्र बलों के बीच सैन्य जुड़ाव के संबंध में एक द्विपक्षीय सैन्य सहयोग योजना (MCP) 2026-27 का भी आदान-प्रदान किया गया।

इससे पहले, इतालवी रक्षा मंत्री गुइडो क्रोसेटो ने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की और 'गार्ड ऑफ ऑनर' का निरीक्षण किया। इटली के रक्षा मंत्री क्रोसेटो की भारत की पहली यात्रा, दोनों देशों की मौजूदा सहयोग को और विस्तार देने तथा सहयोग के नए क्षेत्रों–विशेष रूप से औद्योगिक साझेदारी के क्षेत्र में–तलाशने की इच्छा को रेखांकित करती है। जनवरी 2026 में भारत-एव रक्षा और रणनीतिक साझेदारी पर हस्ताक्षर, बढ़ते रणनीतिक तालमेल का संकेत है और इसने आपसी हित के क्षेत्रों में रक्षा-औद्योगिक सहयोग को और अधिक गति प्रदान की है। भारत और इटली के बीच रक्षा संबंध अब बातचीत, सेनाओं के बीच आपसी संपर्क, ट्रेनिंग, रक्षा उपकरणों के निर्यात, जानकारी साझा करने, बंदरगाहों पर जहाजों के आने-जाने, नौसैनिक अभ्यास, समुद्री सुरक्षा आदि तक फैल गए हैं। 2023 में जब रक्षा मंत्री अपने समकक्ष क्रोसेटो के साथ द्विपक्षीय बातचीत के लिए इटली गए थे, तब रक्षा सहयोग पर एक समझौता किया गया था।

इस साल की शुरूआत में, भारत और यूरोपीय संघ ने एक ऐतिहासिक 'सुरक्षा और रक्षा साझेदारी' पर हस्ताक्षर किए। यह दोनों पक्षों के बीच पहला व्यापक रक्षा और सुरक्षा ढांचा है, क्योंकि दोनों गुटों के नेताओं ने रणनीतिक, क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा क्षेत्रों में सहयोग को काफी गहरा करने पर सहमति जताई थी।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर दर्दनाक हादसा, चलती कार बनी आग का गोला, 5 लोग जिंदा जले

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। राजस्थान के अलवर जिले से एक रोंगटे खड़े कर देने वाली खबर सामने आई है। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर मंगलवार देर रात एक चलती कार में भीषण आग लग गई, जिसमें सवार पांच लोगों की जिंदा जलने से मौत हो गई। मृतकों में मध्य प्रदेश के श्योपुर की तीन महिलाएं, एक पुरुष और एक बच्चा शामिल हैं। यह दर्दनाक हादसा अलवर जिले के लक्ष्मणगढ़ थाना क्षेत्र के मौजपुर के पास हुआ। कैलाश जिंदल के मुताबिक, गाड़ी दिल्ली से कोटा की ओर जा रही थी, तभी रात करीब एक बजे अचानक उसमें आग लग गई।

अधिकारियों ने कहा कि आग इतनी तेजी से फैली कि अंदर बैठे यात्रियों को बाहर निकलने का समय नहीं मिला और कार जल्द ही जलती हुई आग में तब्दील हो गई। चालक, श्योपुर का विनोद कुमार मेहर वाहन से बाहर कूदने और जीवित रहने में कामयाब रहा। हालाँकि, वह लगभग 80% जल गया और उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

उन्हें पहले नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया और बाद में इलाज के लिए अलवर सामान्य अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। स्थानीय लोगों ने आग देखकर तुरंत अधिकारियों को सूचित किया। लक्ष्मणगढ़ से पुलिस दल, एनएचएआई की गश्ती इकाइयों, एम्बुलेंस और फायर ब्रिगेड के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। उनके प्रयासों के बावजूद, आग की लपटों पर काबू पाने से पहले वाहन पूरी तरह नष्ट हो गया। सुधीर चौधरी सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने भी दुर्घटनास्थल का दौरा किया और स्थिति का जायजा लिया।

घर ऐसे घेर लिया, जैसे किसी आतंकी को पकड़ने आए हों, सुप्रीम कोर्ट में तीखी बहस

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की उस याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया, जिसमें उन्होंने असम पुलिस द्वारा दर्ज एक मामले में अग्रिम जमानत की मांग की थी। यह मामला मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी, रिंकी भुइयां सरमा की शिकायत पर दर्ज किया गया था। जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस अतुल चंदुरकर की बेंच ने इस मामले की सुनवाई तब की, जब गुवाहाटी हाई कोर्ट ने खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी। यह मामला खेड़ा के उन आरोपों से जुड़ा है कि रिंकी भुइयां सरमा के पास कई विदेशी पासपोर्ट हैं और विदेशों में उनके वित्तीय हित हैं। खेड़ा की ओर से पेश होते हुए वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने दलील दी कि हिरासत में पूछताछ की कोई जरूरत नहीं है और उन्होंने गिरफ़्तारी की आवश्यकता पर सवाल उठाया। उन्होंने पूछा, 'हिरासत में पूछताछ करके अपमानित करना क्यों जरूरी है? जोर देकर कहा कि यह मामला मुख्य रूप से मानहानि और प्रतिष्ठा को हुए नुकसान से जुड़ा है।

सिंघवी ने इस मामले को अभूतपूर्व बताया और कहा कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा द्वारा दिए गए सार्वजनिक बयानों से गिरफ्तारी की आशंका और बढ़ गई है। उन्होंने अदालत को बताया कि कुछ टिप्पणियाँ तो 'छापने लायक भी नहीं' थीं, और दावा किया कि सरमा ने धमकी दी थी कि खेड़ा अपनी बाकी की ज़िंदगी असम की जेल में बिताएँगे। उन्होंने ऐसी टिप्पणियों को एक 'संवैधानिक काउबॉय' और 'संवैधानिक रैम्बो' वाली टिप्पणियाँ करार दिया, और साथ ही यह भी कहा कि किसी संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति के ऐसे आचरण को देखकर डॉ बीआर अंबेडकर भी हैरान रह जाते। वरिष्ठ वकील ने दलील दी कि खेड़ा एक सार्वजनिक हस्ती हैं, उनके भागने का कोई खतरा नहीं है, और वे जाँच में सहयोग करने को तैयार हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि त्रक्षक्र में लगाए गए ज्यादातर आरोप जमानती हैं और उनके लिए गिरफ़्तारी की जरूरत नहीं है। सिंघवी ने अदालत को यह भी बताया कि असम पुलिस के 50-70 जवान निजामुद्दीन में खेड़ा के घर पर इस तरह पहुँचे, 'जैसे कि वह कोई आतंकवादी हों।

'हम 'मां-माटी-मानुष' की सरकार बना रहे हैं', बंगाल के एग्जिट पोल पर बोलीं सीएम ममता बनर्जी

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

पश्चिम बंगाल। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को एग्जिट पोल के अनुमानों को खारिज करते हुए कहा कि तृणमूल कांग्रेस 'मां, माटी, मानुष' की सरकार बनाएगी। उनकी यह प्रतिक्रिया तब आई जब कई चुनाव विश्लेषकों ने ऐसे अनुमान जारी किए, जिनमें सत्ताधारी तृणमूल और मुख्य विपक्षी दल भाजपा के बीच कांटे की टक्कर होने का संकेत मिला। दोनों चरणों में मतदान संपन्न हो गया, जिसमें 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को सभी 294 सीटों पर 90% से अधिक की रिकॉर्ड वोटिंग हुई। ममता बनर्जी ने गुरुवार को एग्जिट पोल के नतीजों को खारिज कर दिया और कहा कि ये आंकड़े टीएमसी कार्यकर्ताओं का मनोबल गिराने के लिए थे। ममता ने कहा कि चुनाव के बाद के अनुमान मनगढ़ंत थे। साथ ही यह भी कहा कि ये एग्जिट पोल भाजपा के दफ्तर से आए थे।

'226 सीटें जीतेगी तृणमूल'

बंगाल की मुख्यमंत्री ने एक्स पर एक वीडियो संदेश पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने अपनी मौजूदा सरकार के प्रति पूरा भरोसा जताया। उन्होंने यह भी कहा, 'तृणमूल कांग्रेस 226 से ज्दाया सीटें जीतेगी।' जो उनकी पिछली 215 सीटों की संख्या से कहीं ज्दाया होगी।

तमिलनाडु में थलपति विजय का जबरदस्त तूफान! क्या टूट जाएंगे डीएमके और एआईएडीएमके के अरमान?

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

तमिलनाडु। तमिलनाडु की राजनीति में वर्ष 2026 का विधानसभा चुनाव एक बड़े बदलाव का संकेत देता नजर आ रहा है। लंबे समय से द्रविड दलों के वर्चस्व वाले इस राज्य में अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कषगम ने राजनीतिक समीकरणों को पूरी तरह बदल दिया है। विभिन्न एक्जिट पोल के नतीजों ने इस नए दल को लेकर उत्साह और अनिश्चितता दोनों को बढ़ा दिया है।

एक प्रमुख सर्वे एजेंसी के अनुसार, विजय की पार्टी अपने पहले ही चुनाव में 98 से 120 सीटें जीत सकती है। यदि यह अनुमान सही साबित होता है, तो यह राज्य की राजनीति में अब तक का सबसे बड़ा उभार माना जाएगा। इस सर्वे में यह भी कहा गया कि द्रमुक गठबंधन को 92 से 110 सीटें मिल सकती हैं, जबकि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन 22 से 32 सीटों तक सीमित रह सकता है। वहीं अन्नाद्रमुक गठबंधन का मत प्रतिशत लगभग 23 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जबकि विजय की पार्टी लगभग 35 प्रतिशत मत प्राप्त कर सकती है, जो सत्तारुढ़ दल के बराबर है।

यही नहीं, मुख्यमंत्री पद के लिए पसंद के सवाल पर भी विजय सबसे आगे नजर आ रहे हैं। लगभग 37 प्रतिशत लोगों ने उन्हें अपनी पहली पसंद बताया, जबकि वर्तमान मुख्यमंत्री एमके स्टालिन को 35 प्रतिशत समर्थन मिला। यह अंतर भले ही कम हो, लेकिन यह संकेत देता है कि जनता के बीच बदलाव की इच्छा तेजी से बढ़ रही है। युवाओं के बीच विजय की लोकप्रियता खास तौर पर उल्लेखनीय है। सर्वे के अनुसार 18 से 19 वर्ष के मतदाताओं में लगभग 68 प्रतिशत समर्थन उन्हें मिला, जबकि 20 से 29 वर्ष के समूह में यह आंकड़ा 59 प्रतिशत और 30 से 39 वर्ष के वर्ग में 45 प्रतिशत रहा। यह स्पष्ट करता है कि युवा वर्ग पारंपरिक राजनीति से हटकर नए विकल्प की ओर झुक रहा है। छात्रों, बेरोजगार युवाओं और शहरी मतदाताओं के साथ साथ पिछड़े वर्गों, अनुसूचित जाति और अल्पसंख्यक समुदायों में भी विजय की पार्टी ने अपनी पकड़ मजबूत की है।

हालांकि सभी सर्वे एक जैसे नतीजे नहीं दिखाते। कुछ अन्य एजेंसियों ने विजय की पार्टी को 10 से 26 सीटों के बीच सीमित रहने का अनुमान जताया है। इन अनुमानों के अनुसार द्रमुक गठबंधन को 120 से 145 सीटें तक मिल सकती हैं और वह फिर से सत्ता में लौट सकता है। वहीं अन्नाद्रमुक गठबंधन को 60 से 80 सीटें तक मिलने का अनुमान है। कुछ सर्वे में मुकाबला कड़ा बताया गया है, जबकि एक एजेंसी ने अन्नाद्रमुक गठबंधन को बढ़त में दिखाया है। वहीं विजय की पार्टी ने खुद को 200 सीटों से ज्यादा मिलने का अनुमान जताया है।

वैसे तमिलनाडु में फिल्म सितारों का राजनीति में आना कोई नई बात नहीं है। पहले एमजी रामचंद्रन और बाद में जे जयललिता ने भी इसी राह पर चलकर सत्ता हासिल की थी। दोनों नेताओं ने अपने करिश्मे और जनसमर्थन के दम पर लंबे समय तक शासन किया।

संपादक की कलम से

ईरान में क्रूड संकट : उत्पादन रुक नहीं रहा और सप्लाई हो नहीं रही

ललित शर्मा
संपादक

मौजूदा अमेरिका और ईरान के बीच का संघर्ष अब कोल्ड वॉर में बदल गया है। उनके बीच कूटनीतिक बातचीत नहीं हो रही है। समाधान और शांति के प्रयास विफल हो रहे हैं। पहली शांति वार्ता विफल होने के बाद दूसरी बार वार्ता नहीं हुई। इसके अलावा युद्धविराम का समय फिर बढ़ाया गया है। ईरान अभी भी अपनी शर्तें रख रहा है और अमेरिका अपनी शर्तें रख रहा है। इसके कारण इस स्थिति का कोई समाधान नहीं निकल रहा। दूसरी ओर हॉर्मुज की खाड़ी में भी दोनों आमने–सामने हैं, जिससे स्थिति और बिगड़ गई है। दुनिया के देशों को क्रूड नहीं मिल रहा है और हालात खराब हो रहे हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि, हॉर्मुज की खाड़ी में जिस तरह अमेरिका ने ईरान पर दबाव बनाया है, उसके कारण उसकी स्थिति और खराब हो रही है। एक तरफ वह जहाजों पर टोल टैक्स लगाने की तैयारी में था, वहीं अमेरिका ने उसके अपने जहाजों का रास्ता ही बंद कर दिया। इन परिस्थितियों में ईरान में बड़ा क्रूड संकट पैदा हो गया है। मूल बात यह है कि ईरान के पास अपना क्रूड रखने की जगह नहीं है। उसकी स्टोरेज क्षमता घट रही है और सप्लाई ठप है, जिसके कारण वह स्टोरेज में फंस गया है। अब अगले 10 दिनों से ज्यादा वह क्रूड स्टोर नहीं कर सकता। रोज लाखों बैरल उत्पादन हो रहा है और सप्लाई नहीं हो रही, इसलिए स्टोरेज भरता जा रहा है। जमीन पर स्टोरेज की क्षमता कम पड़ रही है। जानकारों के अनुसार, ईरान ने हॉर्मुज की खाड़ी में बने संकट से निपटने के लिए अस्थाई उपाय किया है, लेकिन उससे ज्यादा फायदा नहीं होगा। ईरान अब मजबूरी में पुराने क्रूड टैंकरों का उपयोग कर रहा है। उसने पुराने जहाजों को फ्लोटिंग स्टोरेज के रूप में इस्तेमाल करना शुरू किया है। हाल ही में उसने नाशा नाम का एक जहाज हॉर्मुज में उतारा है। 30 साल पुराने जहाज का उपयोग अब क्रूड स्टोर करने के लिए किया जा रहा है। खासकर खर्ग द्वीप के पास, जहां सबसे ज्यादा उत्पादन होता है, वहां यह जहाज तैनात किया गया है ताकि स्टोरेज हो सके। यहां उत्पादित 90 प्रतिशत क्रूड सामान्यत: निर्यात होता है, लेकिन अभी उत्पादन जारी है और निर्यात बंद है, जिसके कारण क्रूड जमा हो गया है। उल्लेखनीय है कि, ईरान की स्टोरेज क्षमता 1.3 करोड़ बैरल है, जबकि रोज 11–12 लाख बैरल उत्पादन होता है। उसके पास सिर्फ 10–12 दिन का समय है, जिसके बाद स्टोरेज भर जाएगी। हॉर्मुज में अमेरिका की नाकाबंदी के कारण जहाज निकल नहीं पा रहे। पहले यहां रोज 140 से ज्यादा जहाज गुजरते थे, लेकिन अब 5 भी मुश्किल से निकलते हैं। ईरान के जहाज तो बिलकुल नहीं निकल पा रहे। दूसरी तरफ, ईरान ने दबाव बनाने के लिए कुछ जहाज जब्त किए हैं, लेकिन उससे कोई खास असर नहीं दिख रहा। अमेरिका हर हाल में ईरान पर दबाव बनाए रखना चाहता है। रिपोर्ट्स के अनुसार, जब तक स्थिति का समाधान नहीं होगा, तब तक न कोई क्रूड खरीद पाएगा और न कोई बेच पाएगा। ईरान के लिए उत्पादन जारी रखना मजबूरी है। खर्ग द्वीप पर 90 प्रतिशत उत्पादन होता है और वहां की मशीनें लगातार चलती रहती हैं। अगर उत्पादन बंद किया गया तो तेल कुएं खराब हो सकते हैं और मशीनें दोबारा चालू करना मुश्किल होगा। एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के पास जमीन पर 9.5 करोड़ बैरल स्टोरेज क्षमता है, जिसमें से 5 करोड़ बैरल पहले से भरे हुए हैं। युद्ध के दौरान भी उत्पादन जारी रहा, लेकिन निर्यात नहीं हो सका, जिससे भारी स्टॉक जमा हो गया।

नया विहान

उदय किशोर साह

कविता

नई उमंग ले आया नया विहान
जग को जगाने आया वो दिनमान
आलस छोड़ उठ जा रे ओ जवान
पक्षी गा रही है प्रभु की गुणगान

तेरे मुड़ेर पे सूरज की किरण आया
अंधकार मिटा रोशनी की है साया
कितना पावन है मौसम ये सुहाना
पपीहा गा रही है भोर का ये तराणा

पूरवाई ने ली धरा पर मस्त अंगडाई
भीगी भीगी ये मौसम है दे रही दुहाई
पनघट पे नवयौवना की देखो भीड़
कुहारा में नहाई है नदी की ये तीर

मस्ती कर रही है मन्द मन्द वयार
मदमस्त दिख रही है गाँव जवार
छँट रही है प्रकृति से धुँध की चादर
हवा संग डोल रहा है काला बादर

भगवान भास्कर सबको स्मझाने आया
कार्य क्षेत्र में हमें जाना है ये। समझाया
बैठ मत कर अपना समय का तिरस्कार
कर्म प्रधान है ये कर्मभूमि जग संसार

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

नए जमाने में पुरानी पीढ़ी: बदलते समय के बीच अनुभव और मूल्यों की प्रासंगिकता

डॉ विजय गर्ग
लेखक

तेजी से बदलती दुनिया में, जहां तकनीक हर दिन नई दिशा तय कर रही है, वहां पुरानी पीढ़ी का स्थान और भूमिका एक गंभीर विचार का विषय बन चुकी है। आज का युग डिजिटल, तेज और प्रतिस्पर्धी है, जबकि पुरानी पीढ़ी ने एक ऐसे समय में जीवन जिया है जहां धैर्य, संबंध और अनुभव को अधिक महत्व दिया जाता था। इस अंतर ने पीढ़ियों के बीच एक खाई भी पैदा की है, लेकिन साथ ही एक ऐसा अवसर भी दिया है जिसमें दोनों एक-दूसरे से बहुत कुछ सीख सकते हैं।

बदलते समय की रफ्तार

आज का समय 'इंस्टेंट' का समय है–इंस्टेंट मैसेज, इंस्टेंट फैसले और इंस्टेंट परिणाम। नई पीढ़ी तकनीक के साथ पैदा हुई है और उसी के अनुसार सोचती और जीती है। इसके विपरीत, पुरानी पीढ़ी ने धीरे-धीरे बदलावों को देखा और अपनाया है। उनके लिए हर नई तकनीक एक चुनौती भी है और एक सीख भी। यह अंतर कई बार संवाद में बाधा बन जाता है। जहां युवा तेजी से आगे बढ़ना चाहते हैं, वहीं बुजुर्ग ठहराव और सोच-समझकर निर्णय लेने को प्राथमिकता देते हैं।

अनुभव बनाम नवाचार

पुरानी पीढ़ी का सबसे बड़ा धन उनका अनुभव है। उन्होंने जीवन के उतार-चढ़ाव को देखा है और कठिन परिस्थितियों में निर्णय लेने की क्षमता विकसित की है। दूसरी ओर, नई पीढ़ी नवाचार और जोखिम लेने में विश्वास रखती है। अगर इन दोनों गुणों का संतुलन बनाया जाए, तो यह समाज के लिए बेहद लाभकारी हो सकता है।

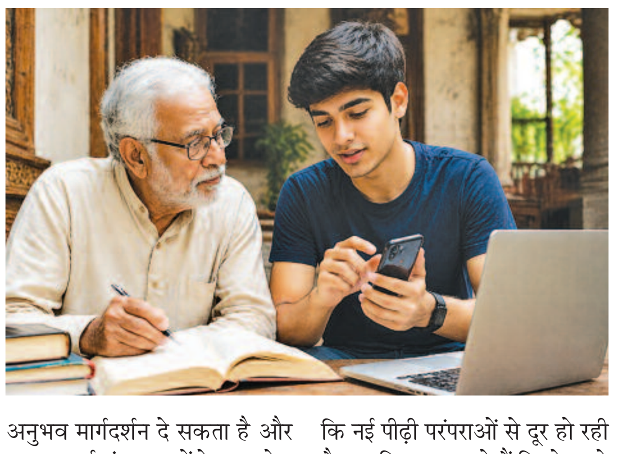

अनुभव मार्गदर्शन दे सकता है और नवाचार नई संभावनाओं के द्वार खोल सकता है।

मूल्यों का परिवर्तन

पुरानी पीढ़ी के लिए परिवार, सम्मान, और रिश्ते जीवन का केंद्र थे। आज की पीढ़ी अधिक आत्मनिर्भर और व्यक्तिगत स्वतंत्रता को महत्व देती है। यह बदलाव स्वाभाविक है, लेकिन इसके कारण पारिवारिक संबंधों में दूरी भी बढ़ी है। पुरानी पीढ़ी को लगता है कि नई पीढ़ी परंपराओं से दूर हो रही है, जबकि युवा मानते हैं कि वे पुराने विचारों से बंधे नहीं रहना चाहते। सच यह है कि दोनों ही अपने-अपने समय के अनुसार सही हैं। आवश्यकता इस बात की है कि परंपरा और आधुनिकता के बीच संतुलन बनाया जाए।

तकनीकी अंतर की चुनौती

डिजिटल दुनिया ने जहां जीवन को आसान बनाया है, वहीं पुरानी पीढ़ी के लिए यह कई बार जटिल भी साबित होती है। स्मार्टफोन, ऑनलाइन बैंकिंग, और सोशल मीडिया जैसे साधन उनके लिए सहज नहीं हैं। यहां नई पीढ़ी की जिम्मेदारी बनती है कि वे उन्हें इन तकनीकों से परिचित कराएं और उनका आत्मविश्वास बढ़ाएं। इससे न केवल उनका जीवन सरल होगा, बल्कि पीढ़ियों के बीच संवाद भी मजबूत होगा।

मानसिक और भावनात्मक पहलू

तेजी से बदलती दुनिया में कई बार पुरानी पीढ़ी खुद को उपेक्षित महसूस करती है। उन्हें लगता है कि उनकी भूमिका कम हो गई है। यह भावना उनके आत्मसम्मान को प्रभावित कर सकती है।

इसके विपरीत, अगर उनके अनुभव और विचारों को महत्व दिया जाए, तो वे खुद को समाज का महत्वपूर्ण हिस्सा महसूस करेंगे। परिवार और समाज को यह समझना होगा कि बुजुर्ग केवल अतीत नहीं हैं, बल्कि वर्तमान और भविष्य के मार्गदर्शक भी हैं।

समाधान की दिशा

संवाद बढ़ाना – पीढ़ियों के बीच खुलकर बातचीत होनी चाहिए।

आपसी सम्मान – दोनों को एक-दूसरे के दृष्टिकोण को समझना होगा।

तकनीकी सहयोग – युवा, बुजुर्गों को तकनीक सिखाएं।

अनुभव का उपयोग – समाज में निर्णय लेते समय बुजुर्गों के अनुभव को शामिल किया जाए।

निष्कर्ष

नए जमाने में पुरानी पीढ़ी का महत्व कम नहीं हुआ है, बल्कि और बढ़ गया है। वे उस नींव की तरह हैं जिस पर आधुनिक समाज खड़ा है।

जरूरत है तो केवल दृष्टिकोण बदलने की–जहां नई पीढ़ी उन्हें बोझ नहीं, बल्कि एक मार्गदर्शक के रूप में देखे, और पुरानी पीढ़ी भी बदलाव को स्वीकार करे। जब अनुभव और नवाचार साथ चलते हैं, तभी समाज वास्तव में प्रगति करता है।

आरक्षण की बहस–समान अवसर, सामाजिक न्याय और बदलते समय की चुनौती

डॉ. सत्यवान सौरभ
लेखक

भारत में आरक्षण पर बहस कोई नई नहीं है, लेकिन समय-समय पर यह मुद्दा नई परिस्थितियों और घटनाओं के कारण फिर से केंद्र में आ जाता है। हाल के दिनों में उच्च शिक्षा और संस्थागत नीतियों को लेकर University Grants Commission (UGC) से जुड़े विवादों ने इस चर्चा को और तेज कर दिया है। एक ओर ऐसे लोग हैं जो मानते हैं कि अब जातिगत आरक्षण की प्रासंगिकता कम हो चुकी है, वहीं दूसरी ओर एक बड़ा वर्ग इसे सामाजिक न्याय और समान अवसर के लिए अब भी आवश्यक मानता है। इस जटिल बहस को समझने के लिए जरूरी है कि हम भावनात्मक प्रतिक्रियाओं से हटकर इसके ऐतिहासिक, सामाजिक और आर्थिक आयामों पर गंभीरता से विचार करें।

सबसे पहले यह समझना होगा कि आरक्षण की मूल भावना क्या थी। भारतीय समाज सदियों तक गहरी सामाजिक असमानताओं से जूझता रहा है। कुछ वर्गों को शिक्षा, संसाधनों और सम्मानजनक जीवन से व्यवस्थित रूप से वंचित रखा गया। यह केवल आर्थिक अभाव का प्रश्न नहीं था, बल्कि सामाजिक बहिष्कार और अवसरों की असमानता का भी था। इसी पृष्ठभूमि में संविधान निर्माताओं ने आरक्षण को एक अस्थायी उपाय के रूप में लागू किया, ताकि समाज के वंचित वर्गों को मुख्यधारा में लाया जा सके और उन्हें बराबरी का अवसर मिल सके।

हालांकि, आज का भारत 70-75 साल पहले के भारत से काफी अलग है। शिक्षा का विस्तार हुआ है, शहरीकरण बढ़ा है और नई पीढ़ी के सामने अवसरों के नए द्वार खुले हैं। यही कारण है कि कुछ लोग यह सवाल उठाते हैं कि क्या आज भी वही नीतियाँ लागू रहनी चाहिए जो दशकों पहले बनाई गई थीं।

उनका तर्क है कि अब हर जाति के लोग विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत हैं, इसलिए आरक्षण का आधार केवल जाति नहीं होना चाहिए। वे यह भी कहते हैं कि सवर्ण समाज में भी बड़ी संख्या में आर्थिक रूप से कमजोर लोग हैं, जिनके लिए अवसरों की कमी उतनी ही वास्तविक है।

यह तर्क पूरी तरह निराधार नहीं है। वास्तव में, आर्थिक असमानता आज भारतीय समाज की एक बड़ी चुनौती बन चुकी है। कई ऐसे परिवार हैं जो किसी भी आरक्षित श्रेणी में नहीं आते, लेकिन आर्थिक तंगी के कारण अपने बच्चों को उच्च शिक्षा या प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं दे पाते। ऐसे में यह मांग उठती है कि आरक्षण या सहायता का आधार आर्थिक स्थिति को बनाया जाए, ताकि वास्तविक जरूरतमंदों तक सहायता पहुंच सके।

इसी सोच के तहत सरकार ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) के लिए भी आरक्षण की व्यवस्था की है। यह एक महत्वपूर्ण कदम माना जा सकता है, क्योंकि यह स्वीकार करता है कि गरीबी केवल किसी एक सामाजिक वर्ग तक सीमित नहीं है। लेकिन इसके साथ ही यह सवाल भी बना रहता है कि क्या केवल आर्थिक आधार पर आरक्षण देना पर्याप्त होगा?

दूसरी ओर, आरक्षण के समर्थन में एक मजबूत तर्क यह है कि सामाजिक भेदभाव और असमानता अभी भी पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है। कई अध्ययन और सामाजिक अनुभव यह दिखाते हैं कि समाज के कुछ वर्ग आज भी शिक्षा, रोजगार और सामाजिक स्वीकृति के स्तर पर पीछे हैं। भले ही कुछ लोग आर्थिक रूप से आगे बढ़ गए हों, लेकिन सामाजिक पहचान के आधार पर मिलने वाले भेदभाव का अनुभव पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। यही कारण है कि अनुसूचित जाति (SC) और अनुसूचित जनजाति (ST) के लिए आरक्षण को केवल आर्थिक सहायता के रूप में नहीं, बल्कि सामाजिक प्रतिनिधित्व के रूप में भी देखा जाता है।

यहाँ एक और महत्वपूर्ण मुद्दा सामने आता है–'क्रीमी लेयर' का। अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) में यह व्यवस्था लागू है, जिसके तहत आर्थिक रूप से सक्षम परिवारों को आरक्षण का लाभ नहीं दिया जाता। कई लोग यह मांग करते हैं कि इसी सिद्धांत को SC/ST वर्गों पर भी लागू किया जाए, ताकि आरक्षण का लाभ वास्तव में जरूरतमंद लोगों तक पहुंचे। हालांकि, इस पर मतभेद हैं, क्योंकि कुछ विशेषज्ञ मानते हैं कि इन वर्गों में सामाजिक भेदभाव का प्रभाव इतना गहरा है कि आर्थिक स्थिति बेहतर होने के बावजूद भी इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। मेडिकल और तकनीकी क्षेत्रों में आरक्षण को लेकर अक्सर चिंता व्यक्त की जाती है कि इससे गुणवत्ता पर असर पड़ सकता है।

यह एक संवेदनशील मुद्दा है, क्योंकि इन क्षेत्रों का सीधा संबंध मानव जीवन और सुरक्षा से है। लेकिन यह भी ध्यान रखना चाहिए कि किसी भी पेशे में अंतिम योग्यता और दक्षता प्रशिक्षण, मेहनत और अनुभव से तय होती है। मेडिकल कॉलेजों और अन्य संस्थानों में सभी छात्रों को समान पाठ्यक्रम, परीक्षा और मूल्यांकन प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। इसलिए केवल आरक्षण के आधार पर गुणवत्ता पर सवाल उठाना एकतरफा दृष्टिकोण हो सकता है।

इसके बावजूद, यह स्वीकार करना होगा कि शिक्षा प्रणाली में सुधार की आवश्यकता है। यदि प्राथमिक और माध्यमिक स्तर पर सभी छात्रों को समान गुणवत्ता की शिक्षा मिले, तो उच्च शिक्षा में असमानता अपने आप कम हो सकती है। आज भी सरकारी और निजी स्कूलों के बीच गुणवत्ता का बड़ा अंतर है, जो आगे चलकर प्रतिस्पर्धा में असमानता पैदा करता है। इसलिए आरक्षण की बहस के साथ-साथ शिक्षा प्रणाली में सुधार पर भी उतना ही ध्यान देना जरूरी है।

एक और पहलू है–प्रतिनिधित्व का। किसी भी लोकतांत्रिक समाज में यह महत्वपूर्ण है कि सभी वर्गों को निर्णय लेने वाली संस्थाओं में उचित प्रतिनिधित्व मिले। आरक्षण इस दिशा में एक साधन के रूप में कार्य करता है। यदि समाज के कुछ वर्ग लगातार पीछे रह जाते हैं, तो यह केवल उनके लिए ही नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए नुकसानदायक होता है, क्योंकि इससे असंतोष और असमानता बढ़ती है।

इस पूरी बहस का सबसे महत्वपूर्ण निष्कर्ष यह है कि आरक्षण को 'सही या गलत' के सरल द्वंद्व में नहीं बांधा जा सकता।

यह एक जटिल नीति है, जो समय, समाज और परिस्थितियों के अनुसार बदलाव की मांग करती है। एक संतुलित दृष्टिकोण यह हो सकता है कि आरक्षण की वर्तमान व्यवस्था की समय-समय पर समीक्षा की जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि इसका लाभ वास्तविक जरूरतमंदों तक पहुंचे।

इसके साथ ही, आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए छात्रवृत्ति, सस्ती शिक्षा, कोचिंग सुविधाएं और अन्य सहायता योजनाओं को मजबूत करना भी आवश्यक है। इससे यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि कोई भी प्रतिभाशाली छात्र केवल संसाधनों की कमी के कारण पीछे न रह जाए।

अंततः, आरक्षण की बहस केवल नीति का सवाल नहीं है, बल्कि यह उस समाज की दिशा तय करती है जिसे हम बनाना चाहते हैं। क्या हम ऐसा समाज चाहते हैं जहाँ हर व्यक्ति को समान अवसर मिले, या ऐसा समाज जहाँ ऐतिहासिक असमानताएँ नई पीढ़ी को भी प्रभावित करती रहें? इसका उत्तर आसान नहीं है, लेकिन इतना स्पष्ट है कि समाधान किसी एक छोर पर नहीं, बल्कि संतुलन में है।

समय आ गया है कि हम इस मुद्दे पर पूर्वाग्रहों से ऊपर उठकर विचार करें। न तो आरक्षण को पूरी तरह समाप्त करना तत्काल समाधान है, और न ही बिना किसी बदलाव के इसे अनिश्चितकाल तक जारी रखना। जरूरत है एक ऐसी नीति की, जो सामाजिक न्याय, आर्थिक समानता और गुणवत्ता–तीनों के बीच संतुलन स्थापित कर सके। तभी हम एक ऐसे भारत की कल्पना कर सकते हैं, जहाँ अवसर सच में समान हों और हर व्यक्ति अपनी क्षमता के अनुसार आगे बढ़ सके।

एग्जिट पोल की सच्चाई – लोकतंत्र का आईना या मीडिया का मुखौटा?

प्रो. आरके जैन
लेखक

जब आंकड़ों की चकाचौंध सच का मुखौटा पहनने लगे, तभी सवाल उठाना जरूरी हो जाता है–29 अप्रैल 2026 की वह शाम ठीक ऐसी ही थी। मतदान खत्म होते ही टीवी स्क्रीन पर एग्जिट पोल का सैलाब उमड़ पड़ा, मानो जनादेश पहले ही लिख दिया गया हो।

पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन के दावे, असम में प्रचंड बहुमत की भविष्यवाणी, दक्षिण भारत में कड़े मुकाबले के संकेत–हर चैनल अपनी कहानी गढ़ रहा था।

इन आंकड़ों की चमक ने माहौल को रोमांचक जरूर बनाया, लेकिन भीतर ही भीतर एक संशय भी जन्म लेने लगा। क्या ये अनुमान सचमुच जनता के मन की गहराइयों को छू रहे हैं, या फिर यह केवल एक ऐसा परदा है जो सच्चाई को ढककर भ्रम का नया संसार रच रहा है? जब पूर्वानुमान ही परिणाम बनने लगें, तब लोकतंत्र की दिशा पर सवाल उठना स्वाभाविक है–एग्जिट पोल अब केवल प्रक्रिया नहीं, बल्कि प्रभावशाली शक्ति हैं।

ये आंकड़े दलों के आत्मविश्वास को बढ़ा-घटा सकते हैं, बाजार की दिशा तय कर सकते हैं और मतदाता की सोच प्रभावित कर सकते हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में बड़े अनुमान वास्तविक नतीजों से अलग रहे, जिससे केवल समीकरण ही नहीं, जनता का भरोसा भी डगमगाया। 2026 में भी वही तस्वीर है, जहां हर चैनल अपनी गणना से विजेता तय कर रहा है।

ऐसे में चिंता बढ़ती है कि क्या हम इन अनुमानों से लोकतंत्र की सच्चाई समझ रहे हैं, या अनजाने में उसके मूल स्वरूप को कमजोर कर रहे हैं।

जब मतदाता का मन ही रहस्य बन जाए, तब उसे आंकड़ों में बांधना कठिन हो जाता है–भारत जैसे विविध देश में यह पहेली और गहरी है। यहां निर्णय केवल विचारधारा पर नहीं, बल्कि जाति, क्षेत्र, स्थानीय मुद्दों, व्यक्तिगत अनुभवों और भावनात्मक प्रतिक्रियाओं के मिश्रण पर आधारित होता है।

कई बार मतदाता अपनी वास्तविक राय छिपा लेते हैं, जिससे एग्जिट पोल की सटीकता पर सवाल उठते हैं। 2021 और 2024 के चुनावों में 'साइलेंट वोटर' ने सभी अनुमानों को ध्वस्त कर दिया। 2026 में भी यह अनदेखी ताकत सक्रिय हो सकती है, जो किसी भी सर्वेक्षण को चुनौती दे सकती है। यही वह बिंदु है जहां एग्जिट पोल की सीमाएं स्पष्ट होती हैं–वे आंकड़े दिखाते हैं, मन की गहराइयों को नहीं पढ़ पाते।

हर शोर में भ्रम नहीं होता–कुछ आवाजें सच भी कहती हैं, और एग्जिट पोल उसी सच की झलक बन सकते हैं। फिर भी यह कहना गलत होगा कि इनका कोई महत्व नहीं है। जब ये ईमानदारी और वैज्ञानिक पद्धति से किए जाते हैं, तो ये समाज के उन वर्गों की आवाज बनते हैं जो अक्सर मुख्यधारा से दूर रहते हैं। गांवों, कस्बों और हाशिए के समुदायों की राय सामने लाते हैं।

यह लोकतंत्र की सकारात्मक झलक भी देते हैं, जहां हर आवाज मायने रखती है। चुनाव आयोग के नियम (सेक्शन 126A) इनके दुरुपयोग को रोकने का प्रयास करते हैं। लेकिन टीआरपी की दौड़, राजनीतिक दबाव और व्यावसायिक हित अक्सर इन आदर्शों को कमजोर कर देते हैं, जिससे निष्पक्षता पर सवाल उठने लगते हैं। जब सच का आईना टेढ़ा दिखने लगे, तब खतरा गहराना तय है–एग्जिट पोल यदि वास्तविकता नहीं, उसका विकृत प्रतिबिंब बन जाएं तो असर दूर तक जाता है। जब ये अनुमान गलत साबित होते हैं, तो प्रभाव केवल राजनीतिक दलों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि जनता के विश्वास पर भी पड़ता है। 2024 में दिखी आर्थिक और मानसिक अस्थिरता इस बात का प्रमाण है कि गलत अनुमान बड़ी कीमत वसूलते हैं। यदि 2026 के परिणाम भी इन पूर्वानुमानों से अलग निकलते हैं, तो यह केवल तकनीकी त्रुटि नहीं, बल्कि लोकतंत्र की विश्वसनीयता पर सवाल होगा। तब यह पूछना लाजमी होगा कि क्या हम डेटा के नाम पर भ्रम को बढ़ावा दे रहे हैं?

जब अनुमान की सीमाएं खुद स्वीकार हों, तब सटीकता पर सवाल स्वाभाविक है–भारत जैसे विशाल देश में भविष्यवाणी करना बेहद कठिन है। सैंपलिंग की सीमाएं, जमीनी डेटा जुटाने की चुनौतियां और अंतिम क्षणों में मतदाता के मन में बदलाव–ये सभी एग्जिट पोल की विश्वसनीयता को प्रभावित करते हैं। फिर भी ये पूरी तरह निरर्थक नहीं हैं। ये रुझान समझने का माध्यम देते हैं, दलों को रणनीति पर पुनर्विचार के लिए प्रेरित करते हैं और जनता को चर्चा का आधार देते हैं। लेकिन समस्या तब होती है जब इन्हें अंतिम सत्य मान लिया जाता है, जिससे भ्रम और अपेक्षाओं का टकराव पैदा होता है। जब मतदाता का फैसला हर बार अनुमान को चौंका दे, तब उसकी अप्रत्याशितता ही उसकी असली पहचान बन जाती है–भारतीय मतदाता यही साबित करता आया है। इतिहास गवाह है कि यहां अंतिम क्षण का निर्णय कई बार सभी अनुमानों को धता बता देता है।

2004 और 2024 के चुनाव इसके स्पष्ट उदाहरण हैं। यह दिखाता है कि लोकतंत्र की असली ताकत किसी सर्वेक्षण में नहीं, बल्कि जनता की स्वतंत्र सोच और निर्णय क्षमता में है। एग्जिट पोल इस जटिलता को पूरी तरह नहीं समझ पाते, क्योंकि वे केवल सतह को छूते हैं, गहराई को नहीं।

जब नजर संतुलित हो, तभी सच साफ दिखता है–एग्जिट पोल को लेकर यही सबसे बड़ा समाधान है। ये न पूरी तरह गलत हैं, न पूरी तरह सही–इनका मूल्य इस बात पर निर्भर करता है कि हम इन्हें कैसे देखते हैं।

यदि इन्हें संकेतक माना जाए, तो ये उपयोगी हैं; लेकिन यदि अंतिम निर्णय मान लिया जाए, तो भ्रम पैदा करते हैं। 2026 के इन महत्वपूर्ण चुनावों में जरूरी है कि हम आंकड़ों की चमक से प्रभावित होने के बजाय वास्तविकता की प्रतीक्षा करें।

क्योंकि लोकतंत्र की सच्ची तस्वीर वही होती है जो मतपेटियों से निकलती है, न कि वह जो स्क्रीन पर दिखाई जाती है।

गन्ना भुगतान और खाद की किल्लत पर भड़की भाकियू, प्रशासन ने रवैया न बदला तो ठप कर देंगे बिजलीघर

लुकमान खान

पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। जनपद में किसानों का उत्पीड़न और सरकारी मशीनरी की संवेदनहीनता अब बर्दाश्त की हद पार कर चुकी है। बुधवार को भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक की एक आपात बैठक जिलाध्यक्ष सरदार मंजीत सिंह के आवास पर हुई, जिसमें किसानों की सुलगती समस्याओं पर जमकर हुंकार भरी गई। बैठक में दो टूक चेतावनी दी गई कि यदि चीनी मिलों ने भुगतान और प्रशासन ने खाद बिजली की किल्लत दूर नहीं की, तो जनपद में उग्र आंदोलन का बिगुल फूंक दिया जाएगा। पंचायत को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष मंजीत सिंह ने चीनी मिलों के खिलाफ कड़ा आक्रोश जताया। उन्होंने कहा कि गन्ना एक्ट के नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए मिलें करोड़ों रुपये दबाए बैठी हैं। नियमतः 14 दिन के भीतर भुगतान होना चाहिए, अन्यथा ब्याज का प्रावधान है, लेकिन यहाँ तो पेराई सत्र बीतने के बाद भी किसानों की जेब खाली है। मंजीत सिंह ने तीखे लहजे में कहा कि किसान का पैसा मिलों की तिजोरी में बंद है, जबकि घर में बच्चों की पढ़ाई, शादी-ब्याह और अगली फसल के लिए किसान दाने दाने को मोहताज है। भाकियू ने शारदा पार क्षेत्र के गेहूं किसानों की दुर्दशा पर भी प्रशासन को घेरा। आरोप लगाया गया कि सैकड़ों गांवों के बीच नाममात्र का एक केंद्र खोलकर खानापूर्ति की गई है, जहाँ बारदाने का बहाना बनाकर खरीद ठप है। किसान अपना गेहूं औने पौने दामों में बेचने को मजबूर हैं। वहीं, समितियों पर खाद न मिलने से गन्ना और मक्का की फसलें बर्बाद हो रही हैं। कार्यकताओं ने सवाल उठाया कि जब किसान को खाद नहीं मिलेगी और बिजली का शेड्यूल केवल कागजों तक सीमित रहेगा, तो वह फसल कैसे उगाएगा? ग्रामीण क्षेत्रों में हो रही अंधी कटौती पर बिजली विभाग को चेतावनी देते हुए जिलाध्यक्ष ने कहा कि विभाग अपनी कार्यप्रणाली सुधार ले। शेड्यूल के अनुसार आपूर्ति नहीं मिली, तो भाकियू बिजलीघरों का घेराव कर उन्हें ठप करने से पीछे नहीं हटेगी।

पंचायत के अंत में किसानों की मांगों का एक ज्ञापन जिलाधिकारी को संबोधित करते हुए नायब तहसीलदार अभिषेक त्रिपाठी को सौंपा गया। इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष पवन कुमार वर्मा, बलजीत सिंह चीमा, तेजराम वर्मा और बूटा सिंह समेत दर्जनों किसान मौजूद रहे।

डीजल के नाम पर उत्पीड़न और स्मार्ट मीटर की लूट, हेमराज वर्मा ने प्रशासन को दिया अल्टीमेटम

लुकमान खान

पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। जनपद में सियासत की तपिश अब सड़कों पर उतर आई है। गन्ना राज्य मंत्री पर राजनीतिक द्वेष का आरोप लगाते हुए समाजवादी पार्टी के कद्दावर नेता और पूर्व मंत्री हेमराज वर्मा ने हुंकार भरी है।बुधवार को सैकड़ों समर्थकों के साथ नारेबाजी करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे पूर्व मंत्री ने राज्यपाल को संबोधित एक तीखा ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर को सौंपा। उन्होंने दो टूक कहा कि अगर अन्नदाता का उत्पीड़न बंद नहीं हुआ, तो ईंट से ईंट बजा दी जाएगी। हेमराज वर्मा ने अमरिया थाने में दर्ज एक मामले को लेकर सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि ग्राम अण्डरायन के किसान ललित वर्मा के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत जो मुकदमा दर्ज कराया गया है, वह पूरी तरह निराधार और बदले की भावना से प्रेरित है।

पूर्व मंत्री ने आरोप लगाया कि सिंचाई और जुताई के लिए रखे गए डीजल को आधार बनाकर जिला पूर्ति विभाग ने मंत्री के दबाव में यह कार्रवाई की है। उन्होंने मांग की कि इस फर्जी मुकदमे की उच्चस्तरीय जांच हो और इसे तत्काल निरस्त किया जाए, वरना जिले का किसान चुप नहीं बैठेगा। ज्ञापन में जनपद की बदहाल कृषि व्यवस्था का कच्चा चिट्ठा खोला गया है।

हेमराज वर्मा ने कहा कि भीषण गर्मी में जब फसलों को खाद की सबसे ज्यादा जरूरत है, तब समितियों से खाद नदारद है। ऊपर से चीनी मिलों पर किसानों का 253 करोड़ का बकाया है।उन्होंने सवाल किया कि जब किसान की जेब खाली है और फसल के लिए खाद नहीं है, तो वह अपने परिवार का पेट कैसे पालेगा? सपा नेता ने बिजली विभाग के स्मार्ट मीटरों को लूट का यंत्र करार दिया।

उन्होंने कहा कि बेतहाशा बिल और बार बार कटती बिजली ने जनता का जीना मुहाल कर दिया है। साथ ही, 5 लाख रुपये तक के केसीसी ऋण पर छूट का जो वादा सरकार ने 2024-25 में किया था, वह 2026 में भी केवल कागजी घोषणा बनकर रह गया है। पूर्व मंत्री हेमराज वर्मा ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि किसान अब डरेगा नहीं। राजनीतिक रंजिश निकालने के लिए कानून का दुरुपयोग बंद हो।

पूरनपुर में पेट्रोल संकट, पंपों पर तेल के लिए मची अफरा-तफरी

लुकमान खान

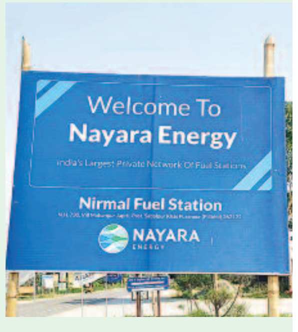

पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। पीलीभीत तहसील पूरनपुर क्षेत्र में पेट्रोल की अचानक किल्लत होने से हड़कंप मच गया। शहर के मुख्य मार्गों से लेकर ग्रामीण इलाकों तक के पेट्रोल पंपों पर तेल न मिलने के कारण उपभोक्ताओं को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। सबसे ज्यादा परेशानी शेरपुर रोड पर स्थित पेट्रोल पंपों पर देखी गई, जहाँ घंटों भटकने के बाद भी लोगों को खाली हाथ लौटना पड़ा। हैरानी की बात यह रही कि अधिकांश पंपों पर स्टॉक न होने की कोई पूर्व सूचना या बोर्ड भी नहीं लगाया गया था, जिससे चिलचिलाती धूप में लोग एक पंप से दूसरे पंप के चक्कर काटने को मजबूर हो गए। पंप संचालकों की इस अव्यवस्था से जनता में भारी नाराजगी है। उपभोक्ताओं का आरोप है कि यदि तेल का स्टॉक खत्म था, तो पंप के बाहर सूचना क्यों नहीं दी गई? बिना किसी बोर्ड के लोग तेल की उम्मीद में अंदर तक जाते रहे और वहां पहुँचने पर उन्हें तेल नहीं है कहकर वापस कर दिया गया। इस बेतरतीब व्यवस्था के कारण बाइक सवारों और आवश्यक कार्य से निकले लोगों का काफी समय बर्बाद हुआ और उन्हें भारी मानसिक व शारीरिक परेशानी झेलनी पड़ी। एक ओर जहाँ ईंधन की सुचारू उपलब्धता की बात कही जाती है, वहीं सोमवार को अचानक आई इस कमी ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या यह सप्लाई चेन की कोई तकनीकी खामी है या फिर पेट्रोल पंपों के प्रबंधन में कोई बड़ी चूक? लोग इधर उधर भटकते रहे और कई जगह तो लंबी कतारें लगने के बाद तेल खत्म होने की बात कही गई। जानकारों का कहना है कि यदि समय रहते सप्लाई की स्थिति स्पष्ट कर दी जाती, तो लोग इस तरह परेशान न होते। पेट्रोल न मिलने का सीधा असर लोगों के कामकाज पर पड़ा।

एबीवीपी का कलेक्ट्रेट पर धरना एवं प्रदर्शन: जिला कलेक्टर के माध्यम से कुलाधिपति के नाम सौंपा ज्ञापन

वेलकम इंडिया ब्यूरो

धौलपुर राजस्थान। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, धौलपुर के बैनर तले महाराजा सूरजमल ब्रज विश्वविद्यालय (MSBU) में चल रही घोर अनियमितताओं और हाल ही में घोषित परीक्षा परिणामों में अधिकतम विद्यार्थियों को अनुत्तीर्ण किए जाने के विरोध में कलेक्ट्रेट परिसर पर विशाल धरना-प्रदर्शन किया गया। कार्यकताओं ने विश्वविद्यालय प्रशासन और कुलपति के विरुद्ध जमकर नारेबाजी करते हुए इसे 'छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़' करार दिया।

जिला कार्यालय मंत्री करुणा शर्मा ने धरने को संबोधित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने मूल्यांकन की मयार्दाओं को ताक पर रख दिया है। यह अविश्वसनीय है कि बड़ी संख्या में नियमित और होनहार छात्रों को एक साथ अनुत्तीर्ण कर दिया गया। छात्रों का आरोप है कि कॉपियों की जांच सही ढंग से नहीं की गई है और अंक तालिका में तकनीकी खामियां हैं।भाग संयोजक रघुराज परमार ने कहा कि महाराजा सूरजमल ब्रज विश्वविद्यालय वर्तमान में केवल फीस वसूली का केंद्र बनकर रह गया है।

समय पर परिणाम जारी न करना, परिणामों में त्रुटियां होना और छात्रों की शिकायतों पर सुनवाई न करना यहाँ की नियति बन चुकी है। भाग संयोजक जतिन अग्रवाल और प्रज्ञान डागुर ने स्पष्ट किया कि छात्रों के खून-पसीने की कमाई और उनकी मेहनत को इस तरह बर्बाद नहीं होने दिया जाएगा।

जिला संयोजक समरथ गुर्जर ने बताया कि विद्यार्थी परिषद के कार्यकताओं ने जिला कलेक्टर के माध्यम से राज्यपाल (कुलाधिपति) के नाम ज्ञापन सौंपकर निम्नलिखित मांगें रखीं हैं

निष्पक्ष पुनर्मूल्यांकन: सभी विवादित परिणामों और अनुत्तीर्ण छात्रों की उत्तर पुस्तिकाओं की फिर से जांच करवाई जाए।

दोषियों पर कार्रवाई: उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन में लापरवाही बरतने वाले शिक्षकों और संबंधित परीक्षा नियंत्रक अधिकारियों को तुरंत निलंबित किया जाए।

पारदर्शी व्यवस्था: विश्वविद्यालय में होने वाली प्रशासनिक नियुक्तियों और परीक्षाओं में पारदर्शिता लाई जाए ताकि बार-बार होने वाली ऐसी अनियमितताओं पर रोक लग सके। निश्चित समय अंतराल--एक सेमेस्टर के बाद दूसरे सेमेस्टर की परीक्षा में निश्चित अंतराल होना चाहिए। जिससे वे अच्छी तरह तैयारी कर सकें। इस अवसर पर प्रांत कार्य समिति सदस्य शिवानी ठाकुर, प्रांत कार्यकारिणी सदस्य निशा कुशवाह,, नगर सहमंत्री ज्योत्स्ना शर्मा, अंकित शर्मा, नगर मंत्री सूरज गुर्जर, कन्या कॉलेज इकाई अध्यक्ष तान्या समाधिया, कुलदीप, आकाश कंसाना श्री भगवान, अनुराग, शिवांशु परमार, मनीष शर्मा, शनि नागर, सागर सोनी, योगेश सिंह, सत्येंद्र, राज, अफजल, कन्हैया, प्रमोद, संतोष, लव, अर्चित, आदित्य, सचिन शर्मा मयंक, कृष्णा, प्रशांत, शिवमकुशवाह ,ओमकार शर्मा, सत्यम, सचिन बघेल श्री भगवान कुशवाह, सागर कश्यप, सौरभ, नैतिक बंसल आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दहेज की आग में झुलसी बेटी, ससुरालवालों पर जलाने और मारने की कोशिश का आरोप

लुकमान खान

पीलीभीत पूरनपुर(वेलकम इंडिया)। कोतवाली क्षेत्र में दहेज की मांग पूरी न होने पर विवाहिता को प्रताड़ित करने और जलाने का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़िता के पिता ने पुलिस को तहरीर देकर ससुराल पक्ष पर कठोर कार्रवाई की मांग की है।

ग्राम ग्रन्ट नंबर-21 उर्फ ढक्का चांट निवासी राधे पुत्र रामचरन ने प्रभारी निरीक्षक कोतवाली पूरनपुर को दी गई शिकायत में बताया कि उन्होंने अपनी पुत्री पुष्पा देवी का विवाह करीब एक वर्ष पूर्व ग्राम सबलपुर खास निवासी दीपू पुत्र बृजलाल के साथ हिंदू रीति रिवाज से किया था। विवाह में अपनी हैसियत के अनुसार दान दहेज भी दिया गया, लेकिन ससुराल पक्ष इससे संतुष्ट नहीं था।

आरोप है कि विवाह के बाद से ही पति दीपू, देवर अंकुल, ननद पुष्पा और सास द्वारा दहेज में मोटरसाइकिल, सोने की अंगूठी, 50 हजार रुपये नकद और एक भैंस की मांग को लेकर विवाहिता को लगातार मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाता रहा।पीड़िता के पिता का कहना है कि मांग पूरी न होने पर उनकी पुत्री को मारपीट कर घर से निकाल दिया गया और जान से मारने की धमकी दी गई। तहरीर के अनुसार, 28 अप्रैल की रात करीब 8 बजे ससुराल पक्ष के लोगों ने कथित रूप से विवाहिता को आग के हवाले कर दिया, जिससे उसका बायां हाथ गंभीर रूप से झुलस गया और बिस्तर कपड़े भी जल गए। किसी तरह वह अपनी जान बचाकर बाहर निकली और परिजनों को घटना की जानकारी दी। पीड़िता के पिता ने आशंका जताई है कि दहेज के लालच में उसकी पुत्री की जान को खतरा बना हुआ है।उन्होंने पुलिस से मामले में रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। कोतवाली पुलिस का कहना है कि तहरीर प्राप्त हुई है, मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

क्रीड़ा भारती मेरठ प्रान्त के क्रीड़ा केन्द्र प्रमुख चुने गए मनप्रीत खैरा

हरेंद्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद के निवासी को हरिद्वार में चल रहे क्रीड़ा भारती के अखिल भारतीय प्रशिक्षण वर्ग में राष्ट्रीय महामंत्री राज चौधरी द्वारा मेरठ प्रान्त की नवीन घोषणाएं की गई। जिसमे प्रान्त सह प्रचार प्रमुख पंकज (गाजियाबाद), प्रान्त दिव्यांग प्रमुख मनीष (मेरठ), प्रान्त युवा प्रमुख रजनीश (गौतमबुद्धनगर), प्रान्त क्रीड़ा केन्द्र प्रमुख मनप्रीत खैरा (हापुड़) को नवीन दायित्व दिए गए।

राष्ट्रीय महामंत्री राज चौधरी ने नवनियुक्त पदाधिकारियों से जिम्मेदारियों का निष्ठा के साथ निर्वहन करने की अपेक्षा जताई। वहीं पदाधिकारियों ने भी संगठन के कार्यों को पूरी लगन से आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

मनप्रीत खैरा ने राष्ट्रीय महामंत्री राज चौधरी का धन्यवाद किया और बताया कि क्रीड़ा भारती द्वारा हाल ही में देश के विभिन्न प्रांतों और जिलों में संगठनात्मक विस्तार के तहत नए पदाधिकारियों और क्रीड़ा केंद्र प्रमुखों की घोषणा की गई है, जिसका उद्देश्य जमीनी स्तर पर खेलों को बढ़ावा देना है।

क्रीड़ा भारती का एक ही लक्ष्य है कि देश के 140 करोड़ लोगों तक खेलों को पहुंचाये, जिससे स्वस्थ सामाज व स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण हो सके। क्रीड़ा भारती खेल को आनंद और संस्कार के रूप में समाज में स्थापित करने के लिए कार्य कर रही है तथा पारंपरिक भारतीय खेलों के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने का प्रयास जारी है।

क्रीड़ा भारती हापुड़ के क्रीड़ा केंद्र में खिलाडियों को निशुल्क प्रशिक्षण दिया जाता है। ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ी क्रीड़ा केंद्रों में आकर अपना रजिस्ट्रेशन करा के प्रशिक्षण लेने हेतु सभी नागरिकों को आह्वान किया गया। सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को क्रीड़ा भारती के प्रदेश मंत्री डॉ विकास अग्रवाल, विभाग सयोजक डॉ सुदर्शन त्यागी, प्रांत अध्यक्ष विशाल मित्तल, प्रांत मंत्री राजन, प्रांत कार्यकारिणी सदस्य डॉ शशि शर्मा, जिला संरक्षक बृजेश गर्ग, जिला अध्यक्ष पंकज अग्रवाल, महिला अध्यक्ष वंदना सिंघल, मंत्री सुनीता स्वामी, कोषाध्यक्ष आशीष गर्ग, नीलम गुप्ता आदि ने सभी प्राप्त कार्यकताओं के नवीन दायित्व पर बधाई और शुभकामनाएं दी गयी।

नगरपालिका मीटिंग हॉल में स्वजनगणना की मीटिंग आयोजित की गई

वेलकम इंडिया ब्यूरो

राजाखेड़ा धौलपुर राजस्थान। गुरुवार को नगरपालिका मीटिंग हॉल में उपखण्ड अधिकारी राजाखेडा सुशीला मीणा की उपस्थिति में स्वगणना की ट्रेनिंग आयोजित की गई जिसमें तहसीलदार राजाखेडा दीप्ती देव एवं नायब तहसीलदार देवेंद्र तिवारी एवं नगरपालिका पूर्व अध्यक्ष वीरेन्द्रसिह जादौन तथा उपखण्ड के समस्त जनप्रतिनिधि, नगरपालिका के कर्मचारीगण एवं जनप्रतिनिधि सकील खान , नाहर सिंह , उत्तम दीक्षित, लक्ष्मण सिंह तोमर, सत्यम गुप्ता , राजू तिवारी , राजेंद्र सिंह , पवन कुमार , कैलाश चिहार , गीतमसिंह, नीतेश गौड, संजय कुमार, पप्पू सिंह, मनोज कुमार, मौहरसिंह, विजय सिंह सद्दाम खां, रवि जैन , सचिन कुमार एवं अन्य नागरिक मौजूद थे।

जिनको फील्ड ट्रेनर दिनेश कुमार शर्मा, धर्मेन्द्र सिंह, अमरीश कुमार, बहादुर सिह, हरिओम सिह व राजेश कुमार के द्वारा स्वजनगणना की ट्रेनिंग दी गई एवं जनगणना के बारे मे बताया गया।

स्वजनगणना 1 मई से 15 मई 2026 तक की जाएगी जिसमें सभी नागरिक अपनी स्वगणना कर सकेंगे जिसका लोगिन http:se.census.gov.in है।

आधुनिक खेल संस्कृति को बढ़ावा देने की दिशा में SKV Ventures का बड़ा कदम डॉ संदेश यादव

हरेंद्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। नई दिल्ली खेलों के क्षेत्र में एक नई क्रांति की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए रङश शेल्ल३४१२ की टीम ने एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की।इस बैठक का मुख्य उद्देश्य राज्य में खेलों को वैश्विक पहचान दिलाना तथा युवाओं को खेलों हेतु प्रेरित करना है। बैठक के दौरान आगामी परियोजनाओं के अंतर्गत खेल आयोजनों की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की गई।

इसमें आधुनिक खेल अवसंरचना के विकास, स्थानीय प्रतिभाओं के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रमों की शुरूआत तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर की लीग के आयोजन जैसे बिंदुओं पर सहमति बनी। SKV Ventures के प्रतिनिधियों ने उत्तराखंड में मिल रहे सहयोग और सकारात्मक वातावरण की सराहना करते हुए विश्वास जताया कि यह पहल राज्य को खेल क्षेत्र में नई पहचान दिलाएगी। साथ ही, यह प्रयास युवाओं के समग्र विकास को नई दिशा प्रदान करेगा। इस अवसर पर उत्तराखंड सरकार में दर्जा प्राप्त मंत्री श्री शादाब शम्स जी ने कहा कि इस प्रकार की पहल राज्य के युवाओं को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का सुनहरा अवसर प्रदान करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा का माध्यम नहीं, बल्कि संस्कृति, अनुशासन और विकास का संगम हैं, जो भविष्य में देश के अन्य राज्यों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत बनेंगे। बैठक में SKV Ventures की ओर से डॉ. सन्देश यादव, डॉ. दुष्यंत सिंह, शौर्यवीर चंदवानी, प्रणय मेस्सी, अभिषेक प्रकाश एवं प्रवीण सांगवान सहित अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

घायल दबगो की मार से घायल बुजुर्ग महिला लालगन्ज कोतवाली ने दर्ज की एफ आई आर

विजय द्विवेदी

प्रतापगढ़(वेलकम इंडिया)। लालगन्ज थानान्तर्गत ग्राम हरनाहर की सत्तर वर्षीय महिला व उसकी बहू को दबंग ने मारपीट कर बुरी तरह घायल कर दिया था। जिस विषय मे शिकायती प्रार्थना पत्र लेकर थाने पहुचने पर कल बुधवार को शिकायत दर्ज न हुई न ही महिला को मेडिकल के लिए ही भेजा गया था। वेलकम इन्डिया की मदद पर दर्ज हुई शिकायतः- बुजुर्ग के बेटे द्वारा वेलकम इन्डिया प्रतापगढ़ को जानकारी दिए जाने पर कल ही कोतवाल लालगन्ज को फोन करने पर फोन न उठा तो संवाददाता ने उन्हे उनके वाट्सेप पर सूचना दी जिससे पीडिता कि मदद हो सके लेकिन कल दिनभर शिकायत रजिस्टर्ड न होने पर वेलकम इन्डिया संवाददाता ने अपने वकील मित्र वरिष्ठ भाजपा नेता ब्रजेन्द्र पाण्डेय को अवगत करा पीडित कि मदद को कहा तब कही उनके लालगन्ज कोतवाली पहुँच कोतवाल से बात करने पर शिकायत पर एफ आई आर दर्ज हुई । यहा यह महत्वपूर्ण सवाल है कि पीडिता को कुछ दिन पहले भी इन्ही दबगो द्वारा पीटा गया था ।जिसकी शिकायत पीडिता ने कोतवाल लालगन्ज को दी लेकिन वाह रे कोतवाल साहब घायल की शिकायत दर्ज करना तो दूर बल्कि पीडिता के बेटे का ही बलवा मे चालान कर दिया था।

भ्रष्टाचार की फाइलें खोलेंगे किसान, भाकियू भानू की 1 मई को महापंचायत, होगा डीपीआरओ कार्यालय का घेराव

लुकमान खान

पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। जिले के प्रशासनिक तंत्र और बेलगाम हो चुके अधिकारियों के खिलाफ भारतीय किसान यूनियन भानू ने सीधी जंग का ऐलान कर दिया है। आगामी 1 मई 2026, शुक्रवार को मंडी परिषद स्थित कृषक विश्रामगृह में जिला अध्यक्ष भजनलाल क्रोधी की अध्यक्षता में एक विशाल जिला स्तरीय मासिक पंचायत का आयोजन किया जा रहा है।

भारतीय किसान यूनियन भानू के तहसील मीडिया प्रभारी सबलू खान ने जानकारी देते हुए बताया कि इस पंचायत का मुख्य एजेंडा भ्रष्टाचार के केंद्र बने जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय के घेराव की तिथि और रणनीति निर्धारित करना है। संगठन के जिला अध्यक्ष भजन लाल किरोधी ने कड़े शब्दों में कहा कि जिले में बैठे डीपीआरओ पूरी तरह भ्रष्टाचार में लिप्त हैं।

ग्राम पंचायतों में हो रही लूट और धांधली की तमाम शिकायतें कार्यालय में धूल फांक रही हैं। आरोप है कि डीपीआरओ इन शिकायतों पर कार्रवाई करने के बजाय उन्हें ठंडे बस्ते में डाल रहे हैं और खुद मलाई काट रहे हैं।

जनता की समस्याओं की अनदेखी अब बर्दाश्त की सीमा से बाहर हो चुकी है। भाकियू भानू ने स्पष्ट किया है कि 1 मई की यह पंचायत प्रशासन के लिए अंतिम चेतावनी साबित होगी।

इस बैठक में जिले भर के कार्यकर्ता और पदाधिकारी एकजुट होकर यह तय करेंगे कि किस दिन और किस समय भारी संख्या में किसान डीपीआरओ कार्यालय का घेराव करेंगे।

संगठन का लक्ष्य केवल विरोध जताना नहीं, बल्कि सिस्टम में बैठे भ्रष्ट कारिंदों की जवाबदेही तय करना है। भजन लाल किरोधी ने तीखे लहजे में प्रशासन को चेताया है कि किसानों का उत्पीड़न किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं होगा।

उन्होंने कहा, 'जिम्मेदार अधिकारी कान खोलकर सुन लें, किसानों के सब्र का बांध टूट चुका है। 1 तारीख को रणनीति तैयार होते ही हम सड़कों पर उतरेंगे और घेराव के जरिए भ्रष्ट अधिकारियों की कुर्सी हिला देंगे।

इस रणनीतिक महापंचायत में सभी पदाधिकारियों और सदस्यों की उपस्थिति अनिवार्य की गई है। माना जा रहा है कि इस बैठक के बाद पीलीभीत में एक बड़े किसान आंदोलन की शुरूआत होगी, जिसकी सीधी गाज भ्रष्ट अधिकारियों पर गिरनी तय है।

यूपी-112 पीआरवी कर्मियों को हीटवेव एडवाइजरी व सम्मान-पत्र वितरित

मयूर खान

आगरा(वेलकम इंडिया)। पुलिस कमिश्नरेट आगरा में तैनात यूपी–112 पीआरवी कर्मियों के लिए एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान पुलिस आयुक्त आगरा दीपक कुमार द्वारा गर्मी के मौसम में लू (हीटस्ट्रोक) से बचाव हेतु राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) द्वारा जारी हीटवेव एडवाइजरी–2026 का वितरण किया गया। कार्यक्रम में पीआरवी कर्मियों को ओआरएस किट उपलब्ध कराई गईं, ताकि वे ड्यूटी के दौरान स्वयं को सुरक्षित रख सकें। साथ ही, आपातकालीन परिस्थितियों में घायलों के प्राथमिक उपचार के लिए फर्स्ट एड बॉक्स भी प्रदान किए गए। सोशल मीडिया का जिम्मेदारीपूर्ण और सावधानीपूर्वक उपयोग सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कर्मियों को सोशल मीडिया पॉलिसी भी वितरित की गई। इसके अतिरिक्त, अपने कर्तव्यों का उत्कृष्ट निर्वहन करने वाले पीआरवी कर्मियों को प्रशस्ति–पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अपर पुलिस आयुक्त आगरा, पुलिस उपायुक्त पूर्वी, अपर पुलिस उपायुक्त प्रोटोकॉल एवं प्रभारी निरीक्षक यूपी–112 आगरा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य कर्मियों की कार्यक्षमता बढ़ाने के साथ–

भारत-अमेरिका ट्रेड डील के विरोध भाकियू चढूनी ने शुरू किया विरोध प्रदर्शन , प्रधानमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

भारत-अमेरिका फ्री ट्रेड डील भारतीय किसानों के लिए 'डेथ वारंट'

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। भाकियू चढूनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढूनी के आव्हान पर केंद्र सरकार की कथित किसान-विरोधी नीतियों तथा भारत-अमेरिका फ्री ट्रेड डील के संभावित दुष्प्रभावों के विरोध में भाकियू चढूनी कार्यकताओं ने गुरुवार को विरोध प्रदर्शन कर नारेबाजी करते हुए मांगों को लेकर जिला अधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री को प्रेषित ज्ञापन सौंपा। जिला अध्यक्ष संजय पाराशर ने कहा कहा कि भारत के किसान पहले से ही गंभीर चुनौतियों से जूझ रहे हैं—बढ़ती लागत, फसलों के उचित मूल्य का अभाव, प्राकृतिक आपदाएं तथा कर्ज का बोझ से जूझते हुए किसान आत्महत्या तक के कदम उठा रहा है। ऐसे में यदि विदेशी कृषि उत्पादों को भारतीय बाजार में प्रवेश दिया जाता है, तो किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ेगा क्योंकि भारत की खेती आजीवका है जबकि विदेशो में खेती व्यापार है। इसलिए सस्ते आयातित उत्पाद भारतीय किसानों की उपज की कीमतों को गिरा देंगे, जिससे उनकी आय पर और प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा । इसके अतिरिक्त, ट्रेड डील के माध्यम से बहुराष्ट्रीय कंपनियों को बढ़ावा मिलेगा, जिससे कृषि क्षेत्र में निजीकरण और कॉर्पोरेट नियंत्रण बढ़ेगा। यह स्थिति न केवल किसानों की स्वतंत्रता को प्रभावित करेगी बल्कि देश की खाद्य सुरक्षा के लिए भी खतरा उत्पन्न करेगी जिससे किसानों की आत्महत्याए की संख्या में इजाफा होगा और भारी संख्या किसान मजदूरो में तब्दील होगा और भारी बेरोजगारी फैलेगी जोकि देश हित में नहीं है। मांग की गई कि कृषि और डेयरी व पोल्ट्री और किसानो से जुड़े सहायक धंधो को किसी भी प्रकार के मुक्त व्यापार समझौते से बाहर रखा जाए ।

न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी सुनिश्चित की जाए देश के किसानों के हितों की रक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए किसी भी ऐसे ट्रेड डील / मुक्त व्यापार समझौते को न किया जाए। दूसरे चरण में संगठन पूरे देश में सभी सांसदों को विरोध प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपेगा। यदि सरकार फिर भी नहीं मानी, तो आर-पार की लड़ाई लड़ी जाएगी। मुख्यमंत्री को प्रेषित ज्ञापन में मांग की गई कि स्मार्ट मीटर/ प्रीपेड मीटर को जबरजस्ती न थोपा जाए क्योंकि ज्यादातर आबादी की कोई रेगुलर आमदनी नहीं है। प्रदेश महासचिव सतीश चंद्र ने कहा तहसीलों पर किसानों का उत्पीड़न शोषण किया जा रहा है। दाखिल खारिज, कुड़ा बटवारा, जन्म, मृत्यु ,आय प्रमाणपत्रों के लिए लोगों को परेशान किया जाता है। एंटी करप्शन टीम से बचने के लिए प्राइवेट कर्मचारियों द्वारा कार्य कराए जा रहे हैं। बिजली की अघोषित कटौती हो रही है। भीषण गर्मी में बिजली व्यवस्था बुरी तरह चरमरा गई है। विभाग में किसानों का उत्पीड़न कर रहा है। अधिकारी बेलगाम होकर मनमानी कर रहे हैं। बिजली आपूर्ति में तत्काल सुधार कर भ्रष्टाचार, शोषण पर रोक लगाई जाए। निराश्रित गौबंश सड़कों, गांव की गलियों एवं खेतों पर घूम रहे हैं। लोगों पर हमला कर रहे हैं, खेतों में भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं, जिम्मेदार मोन साधे हुए हैं ।नहर, रजवाह, माइनर की सिल्ट से अटे पड़े हैं। इनकी समय से सफाई नहीं हो रही है। रवी की फसल के समय सफाई का काम शुरू किया जाता है जिससे किसानों को समय पर सिंचाई के लिए पानी नहीं मिलता है। जनपद में खाद की समस्या है। गंगा जल परियोजना कार्यदाई संस्था का काम लगातार पिछड़ता जा रहा है, जिसके कारण ग्रामीण इलाकों में खारे पानी की समस्या का कोई निराकरण होता दिखाई नहीं दे। जगदीश तोमर, राधेश्याम सिकरवार, कुंतभोज, गौरव तोमर, दिनेश तोमर, भुल्ली सिंह, रवि मुहम्मद, राजकुमार, कैलाश तोमर, हरिओम, रंजीत सिंह, रूपनारायण, रामशरण सिंह, गिरवर सिंह, गोपाल, मोहन सिंह, विजय, शंकर सिंह, योगेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

रामपुर पुलिस लाइन में सेवानिवृत्त कर्मियों को दी गई भावभीनी विदाई

गुलजार आलम

रामपुर(वेलकम इंडिया)। उत्तर प्रदेश पुलिस से सेवानिवृत्त होने वाले पुलिसकर्मियों के सम्मान में गुरुवार रिजर्व पुलिस लाइन रामपुर में एक विदाई समारोह का आयोजन किया गया। क्षेत्राधिकारी टाण्डा/लाइन द्वारा सेवानिवृत्त हुए कर्मियों को फूलमाला पहनाकर और सप्रेम उपहार भेंट कर सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। मुख्य आरक्षी नागरिक पुलिस चन्द्रपाल सिंह (बैज संख्या 902070691),निवासी लक्ष्मीनगर, धामपुर, जनपद बिजनौर 35 वर्ष 10 माह 15 दिन की सेवा पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए। उन्होंने 15 जून 1990 को रिजर्व पुलिस लाइन बिजनौर में आरक्षी नागरिक पुलिस के पद पर अपनी सेवा प्रारंभ की थी। अपने सेवाकाल में उन्होंने बदायूँ, बरेली, अमरोहा, सम्भल, पीलीभीत और रामपुर – कुल छह जनपदों में सेवाएँ दीं। वर्ष 2018 में उन्हें मुख्य आरक्षी के पद पर पदोन्नति प्राप्त हुई। उनकी सराहनीय सेवा के प्रमाण स्वरूप उन्हें पूरे सेवाकाल में 35 नगद पुरस्कार और 31 उत्तम प्रविष्टियाँ प्रदान की गईं। चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी विमलेश यादव (बैज संख्या 992640042), निवासी अगवानपुर, थाना सिविल लाइन, जनपद मुरादाबाद 26 वर्ष 08 माह 15 दिन की सेवा के बाद सेवानिवृत्त हुईं। उन्होंने 15 अगस्त 1999 को रिजर्व पुलिस लाइन रामपुर में नियुक्ति

देवा मेंटल हेल्थ केयर कि डॉ मोहिनी झवर ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को स्मृति चिन्ह भेंट किया

संतोष कुमार सिंह

वाराणसी(वेलकम इंडिया)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने दो दिवसीय दौरे पर अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी पहुंचे,जहां उनका भव्य स्वागत हुआ। एयरपोर्ट से लेकर शहर के विभिन्न मार्गों तक 'हर-हर महादेव' और 'मोदी- मोदी' के नारों से वातावरण गूंज उठा। प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे और पूरे शहर को सूचना विभाग द्वारा होर्डिंग,स्टैंडी,कटआउट आदि से आकर्षक ढंग से सजाया गया था। इस दौरान प्रधानमंत्री ने बीएलडब्ल्यू मैदान में आयोजित विशाल महिला सम्मेलन को संबोधित किया जिसमें हजारों की संख्या में महिलाओं ने भाग लिया सम्मेलन स्थल पर महिलाओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। सम्मेलन में प्रतिभाग के रही महिलाओं को बैठने के बनाए गए सभी सेक्टर में प्रधानमंत्री ने स्वयं जाकर महिलाओं का अभिवादन किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नारी वंदन सम्मेलन में ‟हर-हर महादेव" के उद्घोष के साथ अपने संबोधन की शुरूआत की। प्रधानमंत्री ने काशी की आध्यात्मिक महत्ता का उल्लेख करते हुए कहा कि यह नगरी माता श्रृंगार गौरी,माता अन्नपूर्णा, माता विशालाक्षी,माता संकट मोचन की शक्ति और मां गंगा की पावन धारा से समृद्ध है उन्होंने कहा कि इस पवित्र भूमि पर बहनों का यह विशाल समागम कार्यक्रम को और अधिक दिव्य बना रहा है। प्रधानमंत्री ने काशी की महिलाओं को नमन करते हुए कहा कि आज का यह अवसर नारी शक्ति के वंदन और विकास का उत्सव है उन्होंने बताया कि इस दौरान हजारों करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया गया है जो क्षेत्र के विकास को नई गति देंगे उन्होंने कहा कि काशी से पुणे और अयोध्या से मुंबई के लिए शुरू की गई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों से आम जनता को बड़ा लाभ मिलेगा।

वर्षगांठ बनी जीवनदान का पर्व,दंपति ने रक्तदान कर पेश की अनोखी मिसाल

संतोष कुमार सिंह

वाराणसी(वेलकम इंडिया)। स्वैच्छिक रक्तदान के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रही संस्था साधना फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ.सौरभ मौर्य के छोटे भाई गौरव मौर्य एवं उनकी पत्नी सोनी मौर्य ने अपने वैवाहिक जीवन की पांचवीं वर्षगांठ को समाजसेवा के लिए समर्पित करते हुए स्वैच्छिक रक्तदान किया। यह प्रेरणादायक रक्तदान कार्यक्रम वाराणसी के शिवपुर स्थित अमृत आशा ब्लड सेंटर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन ब्लड बैंक इंचार्ज डॉ.लक्षिता वार्ष्णेय एवं प्रबंधक आशीष सिंह के नेतृत्व में किया गया। रक्तदान के उपरांत ब्लड बैंक प्रशासन द्वारा इस विशेष अवसर को उत्सव के रूप में मनाते हुए केक कटवाया गया साथ ही दोनों रक्तदाताओं को अंगवस्त्र भेंट कर एवं प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डॉ.सौरभ मौर्य ने कहा कि वर्तमान समय में जहाँ रक्तदान के प्रति जागरूकता अभी भी अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुँच पाई है ऐसे में व्यक्तिगत एवं पारिवारिक अवसरों को समाजसेवा से जोड़ना एक अत्यंत सराहनीय पहल है उन्होंने कहा कि रक्तदान वास्तव में ‟जीवनदान" है और इस प्रकार के कार्य समाज में सकारात्मक संदेश देने का कार्य करते हैं।

यूनिवर्सल एकेडमी, बिजनौर के विद्यार्थियों ने SOF ओलंपियाड में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

नितिन शर्मा

बिजनौर(वेलकम इंडिया)। यूनिवर्सल एकेडमी, बिजनौर के विद्यार्थियों ने साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन (SOF) ओलंपियाड परीक्षा 2025-26 में शानदार सफलता प्राप्त कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। SOF द्वारा घोषित परीक्षा परिणाम में विद्यालय के अनेक छात्र-छात्राओं ने गोल्ड, सिल्वर एवं ब्रॉन्ज मेडल प्राप्त किए। विद्यालय के गोल्ड मेडल विजेताओं में वैष्णवी, सिमरा, कुंवरवीर, पल्लवी, अलअरहम, अली हसन, कशिश ,शानवी, भूमि, शौर्य, सहित अन्य विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। इन विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों में आयोजित ओलंपियाड परीक्षाओं में उच्च अंक प्राप्त कर यह सिद्ध किया कि विद्यालय में शिक्षा का स्तर निरंतर उन्नति पर है। इसके साथ ही विद्यालय के अन्य छात्र-छात्राओं ने सिल्वर एवं ब्रॉन्ज मेडल जीतकर विद्यालय की उपलब्धियों में चार चाँद लगाए।

इस सफलता से विद्यालय परिवार, अभिभावकों एवं क्षेत्रवासियों में हर्ष का वातावरण है। प्रधानाचार्य डॉ अनुज त्यागी व उप प्रधानाचार्य खुशबू कर्णवाल ने विजेता विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि 'यह सफलता विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन तथा अभिभावकों के सहयोग का प्रतिफल है। विद्यालय सदैव बच्चों को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेने हेतु प्रेरित करता रहेगा।' प्रधानाचार्य डॉ अनुज त्यागी और उप प्रधानाचार्य खुशबू कर्णवाल ने भी सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों की सराहना करते हुए कहा कि 'ओलंपियाड जैसी प्रतियोगिताएँ बच्चों में ज्ञान, तर्कशक्ति, आत्मविश्वास तथा प्रतिस्पर्धात्मक भावना का विकास करती हैं।' इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षकों ने सभी विजेताओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मनीष सिंह हत्याकांड पर गरजी श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना,प्रशासन से एनएसए लगाने की मांग

संतोष कुमार सिंह

वाराणसी(वेलकम इंडिया)। भरथरा निवासी मनीष सिंह की हत्या के विरोध में श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना ने प्रशासन के खिलाफ सख्त रुख अपना लिया है। वाराणसी जिलाध्यक्ष आलोक कुमार सिंह के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने डीसीपी वरुणा जोन प्रमोद कुमार, डीसीपी क्राइम और डीसीपी गोमती जोन लेडी सिंघम नीतू कादयान से मुलाकात कर कड़ी कार्रवाई की मांग उठाई। प्रतिनिधिमंडल ने पीड़ित परिवार की ओर से अपनी बात रखते हुए प्रशासन से अपील की कि आरोपियों के खिलाफ एनएसए (राष्ट्रीय सुरक्षा कानून/रासुका) के तहत कार्रवाई की जाए ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर सख्त संदेश जाए। प्रदेश अध्यक्ष राकेश सिंह रघुवंशी के निर्देश पर संगठन जल्द ही प्रशासन को औपचारिक ज्ञापन सौंपेगा।

पीएनबी की नई शाखा का भव्य उद्घाटन,काशी विश्वनाथ मंदिर परिसर में बढ़ी बैंकिंग सुविधा

संतोष कुमार सिंह

वाराणसी(वेलकम इंडिया)। महान देशभक्त स्वतंत्रता सेनानी पंजाब केसरी लाला लाजपत राय द्वारा स्वदेशी की भावना से स्थापित पंजाब नैशनल बैंक देश का दूसरा सबसे बड़ा बैंक है। बैंक 10261 शाखाओं,11109 एटीएम तथा 32809 बिजनेस कोरस्पोडेंट के विशाल नेटवर्क के माध्यम से आप सबकी सेवा में 131 वर्षों से निरंतर तत्पर है। बैंक देश की आर्थिक प्रगति में सदैव योगदान देता आया है हमारे बैंक के पास सभी ग्राहक वर्ग के लिए विविधतापूर्ण एवं बेहतरीन उत्पाद सबसे प्रतिस्पर्धी दर पर उपलब्ध है।

30 अप्रैल 2026 गुरुवार को बैंक के प्रबंधक निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी अशोक चन्द्र ने वाराणसी अंचल का दौरा किया। उन्होंने मुख्य अतिथि विश्व भूषण मिश्रा सीईओ श्री काशी विश्वनाथ मंदिर एवं प्रो.मंगला कपूर,संगीत विभाग,काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के साथ श्री काशी विश्वनाथ मंदिर परिसर में स्थापित पंजाब नैशनल बैंक वाराणसी मंडल की नवनिर्मित 63वीं एवं वाराणसी अंचल की 365वीं शाखा का भव्य उद्घाटन किया।

इसके बाद उन्होंने अंचल कार्यालय वाराणसी में आयोजित ग्राहक संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि मुस्कान के साथ उत्कृष्ट ग्राहक सेवा प्रदान करके उनका भरोसा अर्जित करना हमारा लक्ष्य रहा है। इसके पश्चात उन्होंने ग्राहकों से एक-एक कर वार्ता की और बैंक के बारे में उनके दृष्टिकोण/सुझाव/फीडबैक लिया। तत्पश्चात उन्होंने अंचल,मंडल एवं शाखा/कार्यालय प्रमुखों को बैंक के विजन एवं मिशन के समक्ष उत्कृष्ट व्यावसयिक प्रदर्शन करते हुए अग्रणी रहने का आह्वान किया।

इसके साथ ही उन्होंने प्रतिबद्धता एवं मुस्कान के साथ ग्राहक सेवा प्रदान करने के लिए गुरुमंत्र दिया उन्होंने बैक के उत्पादों एवं सेवाओं का प्रचार-प्रसार के माध्यम अधिक से अधिक ग्राहकों तक पहुंचने का आह्वान किया। इस दौरान उन्होंने सीएसआर गतिविधि के अंतर्गत बैंक द्वारा निर्मित कराए गए श्री काशी विश्वनाथ मंदिर ट्रस्ट के सरस्वती द्वार (गेट नम्बर दो) का उद्घाटन किया।

इसके पश्चात उन्होंने श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में आगंतुक वरिष्ठ नागरिको/दिव्यांगजन श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आठ सीटों वाली इलेक्ट्रिक गोल्फ कार्ट मंदिर के सीईओ विश्वभूषण मिश्रा को भेंट की।

इस अवसर पर दीपक सिंह अंचल प्रबंधक ने अशोक चन्द्र प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी का स्वागत एवं अभिनन्दन किया।

इस अवसर पर हरविंदर सिंह रंधावा उप अंचल प्रबंधक, रमेंद्र नारायण ओम उप महाप्रबंधक,प्रभाष चंद्र लाल मंडल प्रमुख वाराणसी,संजीव पुरकाएत,राजेश कुमार एवं उपेन्द्र सिंह सहायक महाप्रबंधकगण एवं वीसी व भौतिक रूप से मंडलों, एमसीसी,सीएसी,सीबीबी,रैम पीएलपी, शाखाओं/कार्यालयों के प्रमुख एवं अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे। इसके पश्चात उन्होंने पत्रकार वार्ता कर मिडिया को दी जानकारी।

बनारस के युग वर्मा ने आइएससी दसवीं बोर्ड परीक्षा 2026 में हासिल किए 99.00% अंक लगातार उत्कृष्टता की मिसाल

संतोष कुमार सिंह

वाराणसी(वेलकम इंडिया)। चेतगंज के बागबरियार सिंह मोहल्ले के निवासी डॉ.सुजीत कुमार वर्मा (एसोसिएट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, भौतिक विज्ञान विभाग,श्री मुरली मनोहर टाउन पीजी कॉलेज बलिया) के पुत्र युग वर्मा ने आइएससी बोर्ड की दसवी कक्षा में शानदार 99.00 प्रतिशत अंक प्राप्त कर बनारस को एक बार फिर गौरवान्वित किया है। युग वर्मा,डॉ.तरुन वर्मा (असिस्टेंट प्रोफेसर डेयरी साइंस विभाग बनारस हिंदू विश्वविद्यालय) के भांजे भी हैं जिनका शैक्षणिक मार्गदर्शन और प्रेरणा उन्हें निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करती रही है इन्होनें भौतिकी,रसायन विज्ञान,जीव विज्ञान,गणित, नागरिक शास्त्र,इतिहास,भूगोल एवं कंप्यूटर मे सौ प्रतिशत नम्बर प्राप्त किये।

यह परिणाम केवल अंक नहीं बल्कि लगातार मेहनत, समर्पण और अनुशासन का प्रतीक है। एलकेजी से लेकर दसवीं तक की पूरी स्कूली शिक्षा के दौरान युग हर वर्ष 98 प्रतिशत से ऊपर अंक प्राप्त करते हुए प्रथम स्थान पर रहे हैं। विद्यालय में नियमित उपस्थिति और एकाग्रता के साथ पढ़ाई करते हुए उन्होंने यह प्रमाणित किया है कि लगातार मेहनत ही सफलता की कुंजी है।

युग ने पढ़ाई के साथ-साथ आत्म-अनुशासन को महत्व दिया प्रतिदिन छह से आठ घंटे सेल्फ स्टडी,साथ ही चालीस मिनट टहलना और फुटबॉल खेलना उनकी दिनचर्या का हिस्सा रहा। उनकी माता जो एमसीए हैं ने बच्चों की पढ़ाई को सदैव प्राथमिकता दी और संपूर्ण समर्पण से मार्गदर्शन किया। इस अद्भुत बोर्ड परीक्षा परिणाम से कुछ ही समय पहले, युग वर्मा ने विभिन्न ओलम्पीयाड मे भी रैन्क हासील किया आज इस बोर्ड परीक्षा के उत्कृष्ट परिणाम से और भी अधिक सशक्त प्रतीत होती है।

युग के दादा जी स्वर्गीय कुंवर पाल वर्मा हमेशा कहते थे मेहनत से पढ़ो,फल की चिंता मत करो। युग ने इस बात को जीवन में आत्मसात कर अपने निरंतर प्रदर्शन से यह सिद्ध कर दिया कि सच्ची लगन से सब कुछ संभव है।

वाराणसी के वैवस्वत नारायण दुबे ने सीआइएससीइ बोर्ड के परीक्षा में उत्तर प्रदेश में प्रथम स्थान और पूरे भारत में द्वितीय स्थान मिला

संतोष कुमार सिंह

वाराणसी(वेलकम इंडिया)। सुधाकर महिला शिक्षण संस्थान समूह के संस्थापक एडवोकेट पंडित जय नारायण दुबे एवं संस्थापिका पूर्व प्रधानाचार्या इंटरमीडिएट कॉलेज शांति दुबे के पौत्र और पिता उत्तर प्रदेश सरकार की राजकीय सेवा में अधिकारी एवं माता शिक्षा विभाग में प्रवक्ता हैं।

वैवस्वत नारायण दुबे को सीआइएससीइ बोर्ड के दसवीं परीक्षा के रिजल्ट में 99.80 प्रतिशत प्राप्त कर उत्तर प्रदेश में प्रथम स्थान एवं पूरे भारत में द्वितीय स्थान प्राप्त कर सुधाकर महिला शिक्षण संस्थान और वाराणसी का मान बढ़ाया है। वैवस्वत नारायण ने कहा कि वह आगे चलकर आईएएस बनकर प्रशासन में बदलाव करना चाहेंगे।

वैवस्वत नारायण जो की वाराणसी के मूल निवासी हैं सुधाकर महिला शिक्षण संस्थान के चेयरमैन डॉक्टर प्रभु नारायण दुबे, चेयरपर्सन डॉ.रमा दुबे,प्राचार्य डॉक्टर अशोक कुमार पाण्डेय,निदेशक आशीर्वाद दुबे तकनीकी निदेशक आयुष्मान दुबे प्रशासनिक निदेशक कीर्तिमान दुबे एवं सुप्रीम कोर्ट आफ इंडिया के वरिष्ठ अधिवक्ता धर्म नारायण नारायण दुबे एवं महाविद्यालय के समस्त शिक्षको ने बधाई और शुभकामना दी।

चौकाघाट में दीवार गिरने की घटना में एनडीआरएफ का त्वरित एवं सफल रेस्क्यू ऑपरेशन

संतोष कुमार सिंह

वाराणसी(वेलकम इंडिया)। चौकाघाट क्षेत्र में स्थानीय निवासियों से प्राप्त सूचना के अनुसार एक नव-निमार्णाधीन भवन की दीवार समीप स्थित एक मकान पर गिर गई। यह स्थान एनडीआरएफ मुख्यालय वाराणसी से लगभग 500 मीटर की दूरी पर स्थित है।

प्रारंभिक सूचना के अनुसार,घटना में चार व्यक्तियों के मलबे में फंसे होने की आशंका व्यक्त की गई। सूचना प्राप्त होते ही 11 एनडीआरएफ की टीम को उपमहानिरीक्षक मनोज कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में त्वरित रूप से आवश्यक आधुनिक उपकरणों एवं संसाधनों के साथ घटनास्थल के लिए रवाना किया गया।

टीम ने अत्यंत तत्परता,उच्च स्तरीय पेशेवर दक्षता एवं उत्कृष्ट समन्वय के साथ मौके पर पहुंचकर सर्च एवं रेस्क्यू ऑपरेशन प्रारंभ किया। ऑपरेशन के दौरान यह पाया गया कि तीन व्यक्ति मामूली चोटों के साथ स्वयं सुरक्षित बाहर निकल चुके थे जबकि शेष एक व्यक्ति मलबे में गंभीर रूप से फंसा हुआ था। एनडीआरएफ टीम ने अत्यंत सूझबूझ,तकनीकी कौशल एवं सुरक्षित तरीके से उसे सफलतापूर्वक बाहर निकाला। घायल व्यक्ति को तत्काल प्राथमिक उपचार प्रदान करते हुए आगे के समुचित इलाज हेतु अस्पताल भेजा गया। एनडीआरएफ की इस त्वरित,साहसिक एवं प्रभावी कार्रवाई ने एक संभावित बड़ी दुर्घटना को गंभीर परिणामों से बचाते हुए मानव जीवन की रक्षा सुनिश्चित की।

पंचम पुण्यतिथि पर उमड़ा जनसैलाब, स्व. सुरेन्द्र यादव को भावभीनी श्रद्धांजलि

डॉ. उदय प्रताप चतुर्वेदी व जिला पंचायत अध्यक्ष बलिराम यादव के स्वागत से गूंजा परिसर, ओजस्वी संबोधन ने बांधा समा

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। जनपद के पूर्व सांसद स्वर्गीय सुरेन्द्र यादव की पंचम पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में जनसैलाब उमड़ पड़ा। कार्यक्रम श्रद्धा, भावनाओं और प्रेरणा का संगम बन गया, जहां जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों, राजनीतिक कार्यकताओं तथा शिक्षा जगत से जुड़े दर्जनों विद्यालयों के संचालकों की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को भव्य स्वरूप प्रदान किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ स्व. सुरेन्द्र यादव के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया। उपस्थित जनसमूह ने मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके संघर्षपूर्ण जीवन, जनसेवा तथा समाज के प्रति उनके समर्पण को भावभीनी यादों के साथ नमन किया। पूरा पंडाल 'अमर रहें' के नारों से गूंज उठा और वातावरण अत्यंत भावुक हो गया।

इसी क्रम में कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर डॉ. उदय प्रताप चतुर्वेदी एवं जिला पंचायत अध्यक्ष बलिराम यादव ने स्व. सुरेन्द्र यादव के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए और गहन भावनाओं के साथ उन्हें नमन किया। उनके आगमन पर उपस्थित जनसमूह ने खड़े होकर जोरदार स्वागत किया। माल्यार्पण और पुष्पवर्षा के बीच दोनों अतिथियों का भव्य अभिनंदन किया गया, जिससे पूरा परिसर तालियों की गूंज से गुंजायमान हो उठा। अपने ओजस्वी संबोधन में डॉ. चतुर्वेदी ने कहा, 'स्व. सुरेन्द्र यादव जैसे जननायक समाज में विरले ही जन्म लेते हैं। उन्होंने अपने जीवन को समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान के लिए समर्पित किया। उनके आदर्श और विचार हम सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं।' उनके उद्बोधन ने उपस्थित लोगों को भावुक कर दिया और सभा में एक नई ऊर्जा का संचार किया। वहीं जिला पंचायत अध्यक्ष बलिराम यादव ने अपने संबोधन में कहा कि स्व. सुरेन्द्र यादव का जीवन संघर्ष, समर्पण और जनसेवा की अद्भुत मिसाल रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे महान व्यक्तित्व की स्मृतियां समाज को हमेशा सही दिशा देने का कार्य करती रहेंगी।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने स्व. यादव के संघर्षमय जीवन को याद करते हुए कहा, 'उनकी आवाज केवल संत कबीर नगर तक सीमित नहीं थी, बल्कि काशी से काठमांडू तक उनकी प्रतिध्वनि सुनाई देती थी। उन्होंने वंचितों, शोषितों और पीड़ितों के अधिकारों के लिए जीवन भर संघर्ष किया।' उनके संबोधन ने सभा को विचारोत्तेजक और प्रेरणादायी बना दिया। मंच से वक्ताओं ने स्व. सुरेन्द्र यादव को 'काशी से काठमांडू की प्रतिध्वनि' बताते हुए उनके व्यक्तित्व और कृतित्व को जन-जन का मार्गदर्शक बताया।

एडीएम की अध्यक्षता में अवर अभियंता (सिविल) मुख्य परीक्षा को सकुशल संपन्न कराने के दृष्टिगत बैठक हुई आयोजित

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। उ0प्र0 अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, लखनऊ के द्वारा विज्ञापन संख्या-08-परीक्षा/2024, अवर अभियंता (सिविल) मुख्य परीक्षा (प्रा0अ0प0-2023)/08 की लिखित परीक्षा दिनांक 03 मई, 2026 (रविवार) को पूर्वान्ह 10:00 बजे से 12:00 बजे तक आयोजित होने वाली लिखित परीक्षा सकुशल, नकल विहीन, शुचितापूर्ण एवं सकुशल सम्पन्न कराये जाने हेतु अपर जिलाधिकारी (वि०/रा०) / नोडल अधिकारी जयप्रकाश की अध्यक्षता में समस्त सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टैटिक मजिस्ट्रेट, केन्द्र व्यवस्थापक एवं कार्यदायी संस्था के जिला प्रबन्धक एवं आयोग द्वारा नामित समन्वयी पर्यवेक्षक की उपस्थित में बैठक / प्रशिक्षण का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया। जिला विद्यालय निरीक्षक हरिश्चंद्र नाथ द्वारा प्रशिक्षण में प्रतिभागी समस्त अधिकारियों एंव केन्द्र व्यवस्थापकों को आयोग द्वारा प्रदान किये गये निर्देश के कम में सर्वसम्बन्धित को अपने दायित्वों के बारे में बताया गया। अपर जिलाधिकारी द्वारा आयोग द्वारा प्राप्त पीपीटी प्रदर्शित करते हुए प्रत्येक बिन्दुओं पर सर्वसम्बन्धित को निर्देशित किया गया कि अपने-अपने दायित्वों शतप्रतिशत निर्वहन करते हुए सकुशल परीक्षा सम्पन करायें तथा दिनांक 02.05.2026 को प्रातः 10:00 बजे से अपने-अपने केन्द्रों पर अन्तरिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम स्टेटिक मजिस्ट्रेट, सेक्टर मजिस्ट्रेट तथा कार्यदायी संस्था के केन्द्र प्रभारी की उपस्थिति में सम्पन्न करायें।

कच्ची शराब व जुआ सामग्री के साथ दो गिरफ्तार

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए कच्ची शराब और जुआ सामग्री के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर चालान कर दिया है।गुरुवार को पुलिस को सूचना मिली कि कैराना मार्ग पर कुछ संदिग्ध व्यक्ति खड़े हुए हैं।

सूचना मिलते ही उप निरीक्षक सुनील दत्त पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घेराबंदी कर दो लोगों को पकड़ लिया। पूछताछ में एक आरोपी ने अपना नाम नरेश निवासी मोहल्ला शेखजादगान बताया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 10 लीटर कच्ची शराब बरामद हुई।दूसरे आरोपी ने अपना नाम सावेज निवासी मोहल्ला खेल बताया। पुलिस ने उसके कब्जे से जुआ खेलने की सामग्री बरामद की।

पुलिस ने दोनों आरोपियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करते हुए चालान कर दिया।थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार ने बताया कि नगर एवं क्षेत्र में अवैध गतिविधियों को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे लोगों के खिलाफ अभियान चलाकर लगातार कार्रवाई की जाएगी और उन्हें जेल भेजा जाएगा।

हीरालाल इंटर कॉलेज के स्काउट्स गाइड्स, एनसीसी के बच्चों एवं स्कूली बच्चों द्वारा निकाली गई जनगणना जागरूकता रैली

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। अपर जिलाधिकारी (वित्त व राजस्व) जयप्रकाश के निर्देशन में जनपद के हीरालाल इंटर कॉलेज के स्काउट्स गाइड्स, एनसीसी के बच्चों एवं स्कूली बच्चों द्वारा राष्ट्रीय जनगणना जागरूकता अभियान के अंतर्गत आज जिला विद्यालय निरीक्षक हरिश्चंद्र नाथ, मुख्य आयुक्त भारत स्काउट गाइड संत कबीर नगर एवं जिला सचिव रवि प्रकाश श्रीवास्तव द्वारा हीरालाल रामनिवास इंटर कॉलेज के स्काउट और गाइड्स, प्रधानाचार्य अरुण कुमार ओझा, उदयभान सिंह एवं मुकेश कुमार के साथ खलीलाबाद की सड़कों पर लोगों को जागरुक करते हुए रैली निकाली गई। जनगणना जागरूकता रैली को जिला विद्यालय निरीक्षक हरिशचंद्र नाथ ने झंडी दिखाकर रवाना किया।

स्काउट गाइड टीम, एनसीसी के बच्चों एवं स्कूली बच्चों के साथ शिक्षा अधिकारियों एवं शिक्षक जनगणना जागरूकता रैली में शामिल होकर आम जन मानस को भारत की जनगणना-2027 के प्रति जागरूक किया गया। जागरूकता रैली के दौरान भारत की जनगणना-2027 के विभिन्न चरणों के बारे में लोगों को जानकारी देते हुए उन्हें जागरूक किया गया जिससे निश्चित समय अवधियों में हर नागरिक की जनगणना हो सके। जागरूकता रैली के दौरान समस्त नागरिकों को अवगत कराया गया कि भारत की जनगणना-2027 के क्रम में निर्धारित अवधि स्व गणना - तिथि दिनांक 07.05.2026 से 21.05.2026 लिंक https://se.census.gov.in/ के माध्यम से की जा सकती है। प्रथम चरण- मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना (तिथि 22 मई से 20 जून 2026) एवं द्वितीय चरण- जनसंख्या की गणना एवं जाति जनगणना (तिथि 09 से 28 फरवरी 2027) तक संपन्न कराई जाएगी। अपर जिलाधिकारी ने जनपद के समस्त नागरिकों से जनगणना में सहयोग करने की अपील किया है।

पुलिस ने छुरों के साथ दो आरोपी किए गिरफ्तार

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। पुलिस ने संदिग्ध व्यक्ति एवं वाहन चेकिंग अभियान के दौरान दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से दो अवैध छुरे बरामद किए हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर दोनों आरोपियों का चालान कर दिया है। पुलिस अधीक्षक शामली एन.पी. सिंह के निर्देश पर जनपदभर में चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक सुमित शुक्ला एवं क्षेत्राधिकारी कैराना के नेतृत्व में पुलिस ने कार्रवाई की। चेकिंग के दौरान पुलिस टीम ने मोहल्ला खैल निवासी इसरार पुत्र स्व. सईद तथा हसीम पुत्र नईम को गिरफ्तार किया। तलाशी लेने पर दोनों के कब्जे से एक-एक अवैध छुरा बरामद हुआ। पुलिस के अनुसार आरोपियों के खिलाफ थाना कांधला में संबंधित धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर लिया गया है।और दोनों का चालान कर दिया है

मामूली कहासुनी में पथराव, मारपीट पिता-पुत्र समेत दो घायल

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। कस्बे के मोहल्ला खेल खालापार में मामूली कहासुनी के बात दो पक्षों के बीच मारपीट हो गई। दोनों पक्षों में जमकर लाठी डंडे व पत्थर बाजी हुई पथराव में नसीम और उसका पुत्र जुनैद गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजनों दोनों घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां से जुनैद की हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। गालों ने अपना डॉक्टरी प्रशिक्षण के बाद थाने पर तहरीर दी है पुलिस जांच में जुटी हुई है। कस्बे के मोहल्ला खेल निवासी जुनैद ने बताया कि बुधवार की देर रात्रि कुछ लोग उसके ताऊ के साथ गाली-गलौज कर रहे थे।

जब वह बीच-बचाव करने के लिए बाहर आया तो आरोप है कि विरोधी पक्ष के लोगों ने मकान की छत से ईंटें फेंकनी शुरू कर दीं। इसी दौरान एक ईंट उसके सिर में लग गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। वहीं दूसरी ईंट उसके पिता नसीम को लगी, जिससे वह भी घायल हो गए। दो पक्षों के बीच हुई मारपीट व पत्थर बाजी से मोहल्ले में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की जानकारी ली। और घायलों को उपचार के लिए नगर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। घायलों ने मेडिकल परीक्षण कराने के बाद कई लोगों के खिलाफ मारपीट और पथराव करने की शिकायत दर्ज कराई है। पीड़ितों ने मामले में निष्पक्ष जांच कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। जांच कर कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

प्लॉट बेचने के नाम पर महिला से ठगी का आरोप, जान से मारने की धमकी

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। थाना क्षेत्र की जन्नत कॉलोनी निवासी महिला ने एक व्यक्ति पर प्लॉट बेचने के नाम पर धोखाधड़ी करने तथा पैसे मांगने पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने थाने पर तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। थाना क्षेत्र की जनता कॉलोनी निवासी इसराना पत्नी इरफान ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसने बागपत जनपद के थाना बड़ौत क्षेत्र के गांव फर्खपुर शेखपुरा निवासी मौसम अली से देहात क्षेत्र में प्लॉट संख्या 775 व 776 खरीदने का सौदा किया था। आरोप है कि व्यक्ति ने उक्त प्लॉट किसी अन्य व्यक्ति के नाम होने की बात कहते हुए बैनामा कराने की जिम्मेदारी अपने ऊपर ली थी। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी ने प्लॉट का सौदा तय होने पर उससे 50 हजार रुपये नकद ले लिए थे तथा बाद में 10 जून 2026 तक 2.50 लाख रुपये में प्लॉट का बैनामा कराने का आश्वासन दिया था। महिला का कहना है कि आरोपी ने बाद में उक्त प्लॉट किसी अन्य व्यक्ति को बेच दिया और न तो उसके रुपये वापस किए और न ही बैनामा कराया।महिला ने आरोप लगाया कि जब उसने अपने रुपये वापस मांगे तो आरोपी ने उसके साथ अभद्रता करते हुए जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई किए जाने तथा रुपये वापस दिलाने की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

पड़ोसी पर मारपीट व धमकी देने का आरोप

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। थाना क्षेत्र गाव मतनावली निवासी व्यक्ति ने पड़ोसी पर पुरानी रंजिश के चलते गाली–गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। गुरुवार को थाना क्षेत्र के गांव मतनावली निवासी पप्पी दास बताया कि उसका पड़ोसी काफी समय से पीड़ित सहित परिवार से रंजिश रखता है। आरोप है कि उसका पुत्र रितेश कुमार 10वीं का छात्र है पड़ोसी व्यक्ति का पुत्र मुकुल आए दिन उसके पुत्र को परेशान करता है। विरोध करने पर आरोपी ने उसके साथ अभद्र व्यवहार करते हुए मारपीट की तथा विरोध करने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। पीड़ित का कहना है कि पूर्व में भी दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हो चुकी है।आरोपी पक्ष लगातार दबाव बनाने का प्रयास कर रहा है, जिससे परिवार में भय का माहौल बना हुआ है। पीड़ित ने मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की है। पुलिस ने जांच करने के बाद कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

थाना दुधारा पुलिस की त्वरित कार्रवाई: बाजार से बिछड़ी 03 वर्षीय मासूम बच्ची को सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंपा

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। पुलिस अधीक्षक सन्तकबीरनगर श्री संदीप कुमार मीना के निर्देशन में जनपद में चलाए जा रहे सुरक्षा एवं त्वरित सहायता अभियान के क्रम में थाना दुधारा पुलिस द्वारा तत्परता दिखाते हुए बाजार से गुम हुई एक 03 वर्षीय बालिका को मात्र कुछ ही घंटों में सकुशल बरामद कर उसकी माता को सुपुर्द किया।

बृहस्पतिवार को पिंकी देवी पत्नी अमरनाथ निवासी ग्राम कोहरियावाँ थाना दुधारा जनपद ने थाना दुधारा पर सूचना दी कि वह अपनी 3 वर्षीय पुत्री आराध्या के साथ सेमरियावाँ बाजार में सामान खरीदने आई थीं। खरीदारी के दौरान व्यस्तता के कारण उनकी पुत्री अचानक कहीं ओझल हो गई। काफी तलाश करने के बाद भी बच्ची का पता न चलने पर व्याकुल माता द्वारा तत्काल डायल 112 पर सूचना दी गई। डायल 112 के कर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए घटना की जानकारी प्रभारी निरीक्षक दुधारा अरविन्द शर्मा को दी। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए प्रभारी निरीक्षक अरविन्द शर्मा ने तत्काल एक टीम गठित की।

टीम में शामिल उ0नि0 शोभनाथ एवं हे0का0 रामविनय यादव ने बिना समय गंवाए बाजार एवं आसपास के क्षेत्रों में सघन तलाशी अभियान चलाया। पुलिस टीम के अथक प्रयासों के परिणामस्वरूप गुमशुदा बालिका आराध्या को बाजार के समीप से ही सकुशल बरामद कर लिया गया। कानूनी औपचारिकताएं पूर्ण करने के पश्चात बच्ची को उसकी माता पिंकी देवी को सुपुर्द किया गया।

अपनी खोई हुई बेटी को वापस पाकर परिजनों के चेहरे खिल उठे और उन्होंने दुधारा पुलिस की इस कार्यप्रणाली एवं संवेदनशीलता की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

तीन तलाक की धमकी देकर विवाहिता को घर से निकाला, पति पर मारपीट का आरोप

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। थाना क्षेत्र के गांव मलकपुर निवासी एक विवाहिता ने अपने पति पर मारपीट करने, तीन तलाक की धमकी देने तथा घर से निकालने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने थाने पहुंचकर आरोपी पति के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

गुरुवार को थाना क्षेत्र के गांव मलकपुर निवासी हुस्न ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसका विवाह हरियाणा के पानीपत की विद्या नंद कॉलोनी निवासी नौशाद के साथ हुआ था। आरोप है कि शादी के कुछ दिन बाद तक सब कुछ सामान्य रहा, लेकिन बाद में पति का व्यवहार बदल गया और वह आए दिन गाली-गलौज व मारपीट करने लगा।पीड़िता का आरोप है कि आरोपी पति ने उसके साथ मारपीट की और विरोध करने पर तीन तलाक देने की धमकी दी।

इतना ही नहीं, कार्रवाई करने पर जान से मारने की धमकी देते हुए उसे घर से बाहर निकाल दिया। किसी तरह वह अपने मायके पहुंची और परिजनों को पूरी जानकारी दी। पीड़िता अपने परिजनों के साथ थाने पहुंची और आरोपी पति के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए तहरीर दी। पुलिस मैं पीड़ित विवाहित महिला को कार्रवाई का आश्वासन देते हुए मामले की छांव में शुरू कर दी है। थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार का कहना है की तहरीर प्राप्त हुई है जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

भारत के विकास सूचकांक की दिशा निर्धारण करेगी जनगणना 2027-संजय द्विवेदी

ए. एच. एग्री. इंटर कालेज दुधारा में जनगणना जागरूकता अभियान को लेकर रैली निकाली गई

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। गुरूवार को ए. एच. एग्री. इंटर कालेज दुधारा में जनगणना जागरूकता अभियान को लेकर रैली निकाली गई। प्रधानाचार्य संजय द्विवेदी ने कहा कि भारत की जनगणना देश का भविष्य तय करेगी। विकास के सूचकांक का निर्धारण करेगी। आम नागरिक जनगणना में लगे कर्मचारियों का सहयोग करें। आम नागरिकों के सहयोग से ही जनगणना कार्य सफल होगा। उन्होंने बताया कि रैली के दौरान नागरिकों को अवगत कराया गया कि भारत की जनगणना-2027 के क्रम में निर्धारित अवधि स्व गणना की तिथि सात से 21 मई तक लिंक के माध्यम से की जा सकती है। प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना 22 मई से 20 जून 2026 एवं द्वितीय चरण में जनसंख्या की गणना एवं जाति जनगणना नौ से 28 फरवरी 2027 तक संपन्न कराई जाएगी। रैली के दौरान भारत की जनगणना-2027 के विभिन्न चरणों के बारे में लोगों को जानकारी दी गई, जिससे निश्चित समय में हर नागरिक की जनगणना हो सके। जागरूकता अभियान को सफल बनाने के लिए छात्र छात्राओं ने गगनभेदी नारे लगाए। रैली के दौरान रास्ते मिलने वाले आम नागरिकों को भी जनगणना के बारे में जानकारी दी गई। इस दौरान मोहम्मद इश्तियाक अंसारी, फसीहुद्दीन, मुहम्मद यूनुस, कमरे आलम सिद्दीकी, अब्दुस्सलाम, ओबैदुल्लाह, मुहम्मद शाहिद, जुबैर अहमद, औबेदुल्लाह, मुहम्मद परवेज अख्तर, ओजैर अहमद, अखिलेश कुमारी, हकीमुल्लाह, फखरूद्दीन, सबीह अहमद, असादुल्लाह, जुनैद अहमद, रफी अहमद सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

नि:शुल्क ड्रेस और पुस्तकें पाकर खिले बच्चों के चेहरे

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। क्षेत्र के गांव नाला के महर्षि कश्यप इंटर कॉलेज में गुरुवार को शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सराहनीय पहल की गई। कॉलेज प्रबंधक के पुत्र डॉ. सुमित और उनकी पत्नी तन्वी ने विद्यालय के सैकड़ों छात्र-छात्राओं को निःशुल्क ड्रेस और पुस्तकें वितरित कीं। विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं में खासा उत्साह देखने को मिला। शैक्षिक सामग्री पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। इस मौके पर डॉ. सुमित ने कहा कि शिक्षा सबसे बड़ा दान है और बच्चों को शिक्षित बनाना समाज की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि ड्रेस और पुस्तकें वितरित कर उन्हें आत्मिक संतोष और खुशी महसूस हो रही है। कार्यक्रम के दौरान दंपति ने छात्र-छात्राओं को लगन और मेहनत के साथ शिक्षा प्राप्त कर जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। साथ ही नियमित रूप से विद्यालय आने और शिक्षा के महत्व को समझने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रधानाचार्य अंकुर कुमार कश्यप ने किया। इस दौरान बाबूराम, केसोराम, राजेश कुमार सहित विद्यालय स्टाफ, गणमान्य लोग और ग्रामीण मौजूद रहे।

एसपी देहात द्वारा पुलिस लाइन परिसर में सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों को किया गया सम्मानित

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। गुरुवार को जनपद से 03 पुलिसकर्मी सेवानिवृत्त हुए, जनपद में तैनात रहे इन पुलिसकर्मियों के सम्मान में रिजर्व पुलिस लाइन स्थित सम्मेलन कक्ष में विदाई समारोह का आयोजन किया गया।

अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अंतरिक्ष जैन द्वारा अधिवर्षता आयु पूरी करने के उपरान्त व ऐच्छिक सेवानिवृत्त होने वाले पुलिसकर्मियों को पूरे सम्मान के साथ घड़ी, शॉल, स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति-पत्र एवं उपहार प्रदान कर भावभीनी विदाई दी गयी। इस अवसर पर एसपी देहात द्वारा सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों को सम्बोधित करते हुए उनके अच्छे स्वास्थ्य एवं दीघार्यु की कामना की तथा पुलिस विभाग में उनके सेवाकाल के दौरान किए गये कार्यों की भी सराहना की गई। सेवानिवृत्त

पुलिसकर्मियों राकेश कुमार उ0नि0 स0पु0, जितेन्द्र सिंह यादव उ0नि0 ना0पु0 धर्मेन्द्र सिंह बालियान उ0नि0 ना0पु0 (ऐच्छिक सेवानिवृत्त) हुए हैं। इस अवसर पर प्रतिसार निरीक्षक अजय श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे।

स्मार्ट मीटर के खिलाफ फूटा जन-आक्रोश, पूर्व विधायक ने विभाग को दिया 8 दिन का अल्टीमेटम

वेलकम इंडिया संवाददाता

जहांगीराबाद। स्मार्ट मीटरों की कथित मनमानी और बढ़ते बिजली बिलों के खिलाफ जहांगीराबाद की सड़कों पर गुरुवार को भारी विरोध प्रदर्शन देखने को मिला। गांधी चौक पर आयोजित इस धरने में उपभोक्ताओं का गुस्सा बिजली विभाग के खिलाफ साफ नजर आया। प्रदर्शन का नेतृत्व पूर्व विधायक होशियार सिंह और कांग्रेस नेता अंबरीश वर्मा ने किया। धरना प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक होशियार सिंह ने बिजली विभाग को दो टूक चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि स्मार्ट मीटर आज आम जनता के लिए जी का जंजाल बन गए हैं। बिना ज्यादा खपत के भी बिलों में बेतहाशा बढ़ोतरी हो रही है, जिससे गरीब और मध्यम वर्ग त्रस्त है। यदि 8 दिनों के भीतर इन मीटरों को हटाकर पुराने मीटर वापस नहीं लगाए गए, तो क्षेत्र में एक बड़ा जन-आंदोलन खड़ा किया जाएगा।वहीं, कांग्रेस नेता अंबरीश वर्मा ने विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि महंगाई के इस दौर में स्मार्ट मीटर जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ हैं। उन्होंने केबल बदलने के कार्य को भी घटिया स्तर का बताया, जिसके कारण आए दिन केबल जलने की शिकायतें मिल रही हैं। इस प्रदर्शन की खास बात महिलाओं की भारी संख्या में भागीदारी रही, जिन्होंने घर के बजट पर पड़ते असर को लेकर विभाग के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शन के अंत में एक मांग-पत्र अधिशासी अभियंता सौरभ मिश्रा को सौंपा गया। अधिशासी अभियंता सौरभ मिश्रा ने प्रदर्शनकारियों की बात सुनी और आश्वासन दिया कि जनता की समस्याओं और मांगों से सरकार को अवगत कराया जाएगा। स्मार्ट मीटर से जुडी तकनीकी समस्याओं और शिकायतों के त्वरित निस्तारण के लिए विभाग लगातार प्रयास कर रहा है। धरने में मुख्य रूप से सपा नगर अध्यक्ष हसीन सैफी, राजपाल लोधी, विनोद सैनी, रघुराज प्रताप सिंह, आशीष शर्मा, नरेंद्र पटेल, इंतजार पठान और चिराग अली सहित सैकड़ों की संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

अंबेडकर द्वार गिरने से यातायात हुआ बाधितः बड़ी दुर्घटना होने से टली

वेलकम इंडिया संवाददाता

शिकारपुर/बुलंदशहर। खुर्जा शिकारपुर मार्ग पर स्थित गांव आंचरू कलां में एक बड़ा हादसा होते-होते बचा। तेज तूफानी हवाओं के चलते सड़क पर लोहे का लगा डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वार अचानक भरभरा कर मुख्य मार्ग पर गिर गया। अचानक यातायात ठप हो गया द्वार के सड़क पर गिरने से दोनों ओर का ट्रैफिक रुक गया। भारी वाहनों को सड़क किनारे खड़ा होकर बोर्ड हटने का इंतजार करना पड़ा।

गनीमत रही जिस वक्त यह बोर्ड गिरा, उस समय नीचे से कोई वाहन नहीं गुजर रहा था, जिससे जनहानि टल गई। इस मार्ग पर भारी ट्रैफिक का दबाव रहता है। ग्रामीणों का लापरवाही का आरोप स्थानीय लोगों के अनुसार, इस बोर्ड की स्थिति काफी समय से जर्जर थी।

हल्की बारिश या हवा में भी यह हिलने लगता था, लेकिन समय रहते प्रशासन या संबंधित विभाग ने इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया।

इस द्वार को बसपा सरकार में शिकारपुर विधान सभा क्षेत्र के पूर्व विधायक बाबा वासुदेव द्वारा लगवाया गया था। खबर लिखे जाने तक सड़क से बोर्ड को हटाने का कार्य जारी था ताकि बाधित यातायात को सुचारू रूप से शुरू किया जा सके। स्थानीय निवासियों ने भविष्य में ऐसे द्वारों की मजबूती सुनिश्चित करने की मांग की है।

3 व्यापारियों को हमला कर किया घायलः बाजार में पुलिस बूथ के निकट दिया वारदात को अंजाम

वेलकम इंडिया संवाददाता

स्याना/बुलंदशहर। स्याना के सब्जी मंडी चौराहे पर पुलिस बूथ के निकट स्थित दुकानों पर पहुंचे हमलावरों ने 3 व्यापारियों पर हमला कर दिया। हमले में एक व्यापारी को गंभीर चोटे आने पर उसे बेहतर इलाज के लिए मेरठ रेफर किया गया है। घटनास्थल पुलिस बूथ के बराबर में होने के बावजूद हमलावरों द्वारा घटना को बेखौफी के साथ अंजाम दिए जाने की चर्चा लोगों की जुबान पर है।

व्यापारी ध्रुव रस्तौगी द्वारा स्याना पुलिस को दी गई तहरीर में अवगत कराया है कि हमलावर मारपीट कर सोने की चैन भी ले गए। स्याना निवासी किराना व्यापारी ध्रुव रस्तोगी ने पुलिस को दी तहरीर में अवगत कराया है कि 29 अप्रैल की शाम 6 बजे के करीब वह अपनी दुकान पर कार्य कर रहा था।

आरोपित किया है कि स्याना निवासी आशीष व ग्राम धनियावली

हमले में घायल व्यापारी अजेश रस्तोगी

पुलिस बूथ के निकट घटना में घायल व्यापारी की बंद पड़ी दुकान। जबकि पुलिस बूथ में निद्रा लेता तैनात कर्मी

निवासी मोहित 4-5 अज्ञात लोगों को लेकर उसकी दुकान पर आए और उसके साथ मारपीट करने लगे, जिसमें उसकी सोने की चैन भी ले गये। बराबर में दुकान करने वाले रंग-रोगन व्यापारी राकेश रस्तोगी बीच-बचाव के लिये आये तो आरोपितों ने उनके साथ भी मारपीट की।

साथ ही गुड़ व्यापारी अजेश रस्तौगी की भी दुकान पर तोड़-फोड़ करते हुए उनके साथ भी मारपीट करनी शुरू कर दी। आरोपित गाली-गलौच कर जान से मारने की धमकी देने लगे। तहरीर में अवगत कराया है कि अजेश रस्तौगी का हाल ही में हृदय संबंधित आपरेशन हुआ था तथा हमले में उन्हें गम्भीर चोट आई। चिकित्सकों ने उनकी गंभीर हालत देख बेहतर इलाज हेतु मेरठ रेफर कर दिया। ध्रुव रस्तोगी ने तहरीर में अवगत कराया है कि आरोपितजन बदमाश किस्म के व्यक्ति हैं तथा उक्त के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्यवाही की जाये। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक रवि रतन सिंह ने प्राप्त तहरीर पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विवेचना उपनिरीक्षक अमित कुमार को सौंपी है।

फिर हुआ मौसम खराब किसानों की चिंता बढी

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुगरासी। क्षेत्र में गुरूवार सुबह से ही तेज हवा चल रही है जिससे मौसम खराब होने की पूरी संभावना है। चार बजते ही गड़गड़ाहट के साथ हल्की बूंदाबांदी के साथ मौसम हुआ खराब।

अभी भी एक दो किसान ऐसे बचे हैं कि उनकी फसल नही सुंगी है खेतों में खले आसमान के नीचे पडी है।और कुछ किसान ऐसे भी हैं जिन्होंने गेहूं तो घुंगा लिये मगर भूसा खेतों में ही पडा है। जो तेज हवा से सुबह से अब तक काफी उड गया है। और अब बरसात में भीगकर खराब हो जायेगा।भूसा भीग जाने के बाद भविष्य में आर्थिक हानि उठानी पड़ेगी क्योंकि भूसा खरीदना पड़ेगा और मंहगा खरीदना पड़ेगा।

इसलिए किसान को एक तरफ तो भगवान मानते हैं और उपर से भगवान भी किसान के ही

जिम्मे है क्योंकि बारिश से सारी फसल बर्बाद हो जाती है जिसके लिये भगवान ही जिम्मेदार है।

अब बेचारा किसान करे तो क्या करे,पेट मसोस कर बैठ जाता है सब कुछ भगवान भरोसे मगर वो भी निर्दयी,सारी फसल बर्बाद कर दी।

नौकरी का झांसा देकर धोखाधड़ी करने वाले महिला सहित 02 वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। बुलंदशहर वादी दिनेश शर्मा पुत्र प्रेमशंकर निवासी ग्राम चौढेरा थाना छतारी ने थाना छतारी पर तहरीर दी कि अभियुक्त बब्बू सक्सेना ने नौकरी लगवाने का झांसा देकर वादी व उसके परिचित कुल 08 व्यक्तियों से कुल 6,40,000/- रुपये ले लिए है जिसमें से 4,69,500/- रुपये अभियुक्त ने अपनी पत्नी के खाते में डलवाये है। अभियुक्त खुद को खबरों की विशेषता हिन्दी समाचार पत्र का कथित संपादक होना बताता है। इस सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना छतारी पर मुकदमा दर्ज किया गया था।

दिनांक 13.03.2026 को वादिया अंजली कुमारी पुत्री रामजीलाल सिंह निवासी ग्राम कनैनी वेदराम थाना छतारी ने भी थाना छतारी पर तहरीर दी कि अभियुक्त बब्लू सक्सेना उपरोक्त

ने नौकरी लगवाने का झांसा देकर वादिया से 80,000/- रुपये ले लिए है।

प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना छतारी पर मुअस- 93/2026 धारा 318(4) बीएनएस पंजीकृत है। गिरफ्तार अभियुक्त बबलू सक्सेना पुत्र सुरेन्द्र सक्सेना निवासी जग्गा कालौनी सिकहरा रोड़ थाना पिलखुआ जनपद हापुड़ (मूल निवासी ग्राम जिरसमी थाना एटा देहात जनपद एटा बरखा सक्सेना पत्नी बबलू सक्सेना निवासी उपरोक्त। यह दोनों पति पत्नी है। एसएसपी दिनेश कुमार सिंह के कुशल निर्देशन में गुरुवार को थाना छतारी पुलिस द्वारा एक अभिसूचना के आधार पर घटना में संलिप्त महिला सहित 02 अभियुक्तों को उनके मस्कन से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तों की गिरफ्तारी के सम्बन्ध में अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए अभियुक्तों को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है।

तेज आंधी में पेड़ टूटकर महिला के ऊपर गिरा महिला की हुई मौत

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। बुलंदशहर खुर्जा तहसील क्षेत्र के जरारा गांव में तेज आंधी तूफान आने से सफेदा का पेड़ टूट कर 60 वर्षीय विधवा महिला सावित्री के ऊपर गिरा। सफेदा के पेड़ के नीचे दबने से महिला की मौके पर ही हुई दर्दनाक मौत।महिला की मौत से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल ग्रामीणों ने घटना की जानकारी स्थानीय पुलिस और तहसील प्रशासन को दी।महिला की मौत के बाद ग्रामीण और परिजनों में गम का माहौल। घटना की सूचना स्थानीय थाना पुलिस एवं खुर्जा तहसील से हल्का लेखपाल कानून गो मौके पर पहुंचे उधर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु बुलंदशहर भेज दिया है। एसडीएम खुर्जा ने बताया है परिजनों को प्राकृतिक आपदा के अनुसार जो भी सरकार द्वारा आर्थिक सहायता प्रदान होगी वह जल्द दिलाई जाएगी।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में व्यापार बन्धुओं की बैठक हुई संपन्न

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। बुलंदशहर गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी कुमार हर्ष की अध्यक्षता में व्यापार बन्धु की बैठक संपन्न हुई। बैठक में व्यापारियों द्वारा नगरपालिका की 295 दुकानों का किराए हेतु निस्तारण, शहर में स्कूलों की छुट्टी के समय जाम की समस्या, विद्युत कटौती समस्या, 11 हजार की विद्युत लाइन में प्रोटेक्शन जाल डाल जाने हेतु समस्या, दुकानों के सामने अस्थायी अतिक्रमण, देवीपुरा रोड पर मंदिरों के आस पास व शमशान घाट रोड पर खुदी सड़कों को शीघ्र बनवाने हेतु, बाजार एवं अन्य स्थानों पर सरकारी नल खराब को ठीक कराने हेतु, बाजारों में जाम की समस्या, शहर में साफ सफाई की व्यवस्था एवं इत्यादि से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुई हैं।

जिस पर जिलाधिकारी ने प्राप्त

शिकायतों का निस्तारण हेतु ससमय संबंधितों को निर्देशित किया।

इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह, मुख्य विकास अधिकारी सुश्री निशा ग्रेवाल, नगर मजिस्ट्रेट संजय कुमार सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

डिबाई नगर में लगातार हो रही विद्युत कटौती को लेकर सौपा ज्ञापन

वेलकम इंडिया संवाददाता

डिबाई। नगर में हो रही अनियमित विद्युत कटौती से परेशान व्यापारी सुरक्षा फोरम संस्थान के सदस्यों ने विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता को ज्ञापन सौंपकर समस्या से जल्द समाधान की मांग की है। संस्थान के सदस्यों ने बताया कि पिछले कई दिनों से दिन-रात बिना सूचना के विध्युत कटौती की जा रही है,जिससे गर्मी में लोगों को बहुत परेशानी हो रही है। छोटे बड़े व्यापार भी प्रभावित हो रहे हैं। ज्ञापन मिलने के बाद विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता ने कहा कि समस्या संज्ञान में है। बुधवार को आंधी तूफान आने की वजह से पेड़ों से जो परेशानियां हुई हैं और बिल भुगतान कनेक्शन डिस्कनेक्ट करने के कारण जो

कटौती हर कनेक्शन पर हो रही थी। उसका भी एक समय सीमा निर्धारित की जाएगी यदि दिन में किसी कारणवश एक से डेढ़ घंटे लाइन पर शटडाउन रहेगा तो वह सुबह 5:00 बजे से 6:30 वाली रोस्टिंग कटौती नहीं की जाएगी और उम्मीद है कि आने वाले 2-3 दिनों में आपूर्ति सामान्य हो जाएगी।

इस दौरान व्यापारी सुरक्षा फोरम संस्थान के नगर अध्यक्ष सन्नी सिंघल एवं महामंत्री रचित वार्ष्णेय, उपाध्यक्ष अंशुल वार्ष्णेय ने चेतावनी दी कि यदि जल्द सुधार नहीं हुआ तो अनशन पर बैठकर आंदोलन करने पर मजबूर होंगे। इस दौरान अरुण कुमार (बाटा वाले) राकेश अग्रवाल, राकेश वार्ष्णेय,विकास गर्ग,भोला सर्राफ, जितिन साहनी,लकी अग्रवाल,रवि वार्ष्णेय, सौरभ वार्ष्णेय,गोपाल कोहली आदि सैकड़ा व्यापारीगण मौजूद रहे।

50,000 का इनामी मुख्य आरोपी जीतू एनकाउंटर में ढेर, दो पुलिसकर्मी घायल

वेलकम इंडिया संवाददाता

खुर्जा/बुलंदशहर। खुर्जा में हुए ट्रिपल मर्डर केस में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। इस मामले का मुख्य आरोपी और 50 हजार का इनामी जीतू सैनी जिसे 'बर्थडे बॉय' के नाम से भी जाना जाता था। पुलिस मुठभेड़ में मारा गया। एसएसपी दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि इस मुठभेड़ में एसओजी प्रभारी इंस्पेक्टर मोहम्मद असलम और एक सिपाही मोहित भी गोली लगने से घायल हो गए हैं।

दोनों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह घटना 25 अप्रैल की रात की है, जब खुर्जा क्षेत्र में एक बर्थडे पार्टी के दौरान अमरदीप सैनी, मनीष सैनी और आकाश सैनी की गोली मारकर हत्या

कर दी गई थी। इस जघन्य हत्याकांड के बाद पुलिस लगातार फरार आरोपियों की तलाश में जुटी थी। एसएसपी ने बताया कि एसओजी टीम जब संदिग्धों की तलाश में अभियान चला रही थी, तभी सामने से आ रहे स्कूटी सवार युवक को रुकने का इशारा किया गया। इस पर स्कूटी सवार ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की जिसमें गोली लगने से जीतू सैनी पुत्र सुभाष सैनी, निवासी खुर्जा मौके पर ही ढेर हो गया। इस मुठभेड़ के दौरान इंस्पेक्टर मोहम्मद असलम और एक सिपाही घायल हो गए। जबकि खुर्जा कोतवाली प्रभारी रामफल सिंह बुलेटप्रूफ जैकेट पहनने के कारण बाल-बाल बच गए। पुलिस ने मौके से स्कूटी, पिस्टल और अन्य सामान बरामद किया है।

मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है, जबकि घायल पुलिसकर्मियों का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, ट्रिपल मर्डर केस में कुल 11 आरोपी शामिल थे। इनमें से एक आरोपी को मुठभेड़ में मार गिराया गया है, तीन आरोपी मुठभेड़ में घायल हुए हैं। वहीं दो आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। जबकि पांच आरोपी अभी फरार हैं। जिनकी तलाश जारी है।

डॉ. श्यामा प्रसाद सामुदायिक केंद्र में निःशुल्क जांच शिविर का आयोजन

32 मरीजों की जांच, लोगों को कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के प्रति किया जागरूक

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। डॉ. श्यामा प्रसाद सामुदायिक केंद्र में बृहस्पतिवार को निःशुल्क जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न प्रकार की बीमारियों की जांच की गई। बताया गया कि मरीजों की जांच एआई तकनीक से की गई, जिससे जांच की प्रक्रिया और परिणामों में सुधार आया। शिविर में कुल 32 मरीजों की जांच की गई। डॉ. विकास ने जानकारी देते हुए बताया कि इनमें ओरल के 8, ब्रेस्ट के 11 और 13 अन्य मरीजों की जांच की गई। इस दौरान डॉक्टरों की टीम ने मरीजों की स्क्रीनिंग भी की।

शिविर के दौरान लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता देखने को मिली और उन्होंने जांच कराकर लाभ उठाया। इसी क्रम में गाजियाबाद के मोदीनगर स्थित सीएससी अस्पताल में युवराज सिंह एनजीओ की ओर से कैंसर जांच के लिए एक निःशुल्क चेकअप अभियान भी चलाया गया। इस स्वास्थ्य शिविर का उद्देश्य लोगों को कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के प्रति जागरूक करना और समय रहते जांच की सुविधा उपलब्ध कराना रहा। इस मौके पर मोदीनगर अध्यक्ष विनोद वैशाली भी मौजूद रहे। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि कैंसर जैसी बीमारी से बचाव के लिए समय-समय पर जांच कराना बेहद जरूरी है। कैंप में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने लोगों की जांच की और कैंसर के शुरूआती लक्षणों के बारे में जानकारी दी। डॉक्टरों के अनुसार लगातार वजन कम होना, शरीर में गांठ बनना, लंबे समय तक खांसी रहना, मुंह में न भरने वाले छाले, असामान्य रक्तस्राव, लगातार थकान और खाने-पीने में दिक्कत जैसे लक्षण कैंसर के संकेत हो सकते हैं।

ऐसे लक्षण दिखाई देने पर तुरंत डॉक्टर से जांच करानी चाहिए। शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर मुफ्त जांच कराई और स्वास्थ्य संबंधी सलाह ली। स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे जागरूकता अभियान समाज के लिए बेहद जरूरी हैं। इस दौरान डॉ. दिनेश, डॉ.करण कसाना, डॉ. विकास, अध्यक्ष विनोद वैशाली, बिट्टू बिश्नोई आदि उपस्थित रहे।

नेशनल इलेक्ट्रॉनिक मीडिया फाउंडेशन ने निर्धन कन्या के विवाह में की आर्थिक मदद

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। नेशनल इलेक्ट्रॉनिक मीडिया फाउंडेशन ने ग्राम पतला में एक निर्धन कन्या के विवाह हेतु 31,000 रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की। फाउंडेशन की इस पहल से जहां एक जरूरतमंद परिवार को राहत मिली। वहीं फाउंडेशन के द्वारा किए गए इस पुनीत कार्य की क्षेत्रवासी मुक्तकंठ से सराहना कर रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पत्रकार बिजेंद्र भारती ने कहा कि समाज में जरूरतमंद लोगों की सहायता करना प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है। उन्होंने कहा कि यदि हर व्यक्ति अपनी सामर्थ्य के अनुसार सहयोग करे, तो कोई भी गरीब परिवार अपनी बेटी के विवाह जैसे महत्वपूर्ण अवसर पर असहाय नहीं रहेगा। इस अवसर पर मौजूद समाजसेवी प्रदीप कश्यप ने भी अपने विचार रखते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रयास समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। उन्होंने जरूरतमंदों की सहायता को सबसे बड़ा मानवीय कर्तव्य बताते हुए सभी से ऐसे कार्यों में भागीदारी करने का आह्वान किया। संस्था के सदस्य विवाह समारोह में स्वयं उपस्थित रहे और वर-वधु को आशीर्वाद दिया। बिजेंद्र भारती ने बताया कि फाउंडेशन पूर्व में भी कई जरूरतमंद परिवारों की सहायता कर चुका है और भविष्य में भी ऐसे कार्य जारी रखे जायेंगे। इस अवसर पर चेयरमैन विनोद जाटव वैशाली ,संस्था के संरक्षक हरेंद्र शर्मा, संस्था के महासचिव सुनील शर्मा, एडवोकेट बबलू वशिष्ठ, दर्शन प्रजापति, पंकज कश्यप, हरिओम सेन, राशू मलिक पत्रकार तरुण सक्सेना संजय लाल योगेंद्र भाटी आदि लोग उपस्थित थे।

ऑपरेशन प्रहार में लोनी बॉर्डर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। थाना लोनी बॉर्डर पुलिस ने 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए चेकिंग के दौरान अवैध हथियारों के साथ दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने लालबाग कीकरों के जंगल के पास से दोनों आरोपियों को दबोचा।

गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान समद पुत्र शहजाद और दानिश पुत्र शहजाद, निवासी इकराम नगर लोनी गाजियाबाद के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से 01 अवैध देशी तमंचा .315 बोर, 01 जिंदा कारतूस .315 बोर और 01 अवैध पिस्टल .32 बोर बरामद की गई।

पुलिस ने बरामदगी के आधार पर थाना लोनी बॉर्डर में धारा 3/25/29 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। दोनों आरोपियों के खिलाफ अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, क्षेत्र में अपराध और अवैध शस्त्रों पर नियंत्रण के लिए 'ऑपरेशन प्रहार' लगातार चलाया जा रहा है, जिसके तहत संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की सघन चेकिंग की जा रही है।

पुलिस मुठभेड़ में स्नैचर गिरफ्तार: पैर में गोली लगते ही धर दबोचा, साथी फरार

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। थाना साहिबाबाद पुलिस ने देर रात हुई मुठभेड़ में एक शातिर स्नैचर को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की।

मुठभेड़ के दौरान आरोपी के पैर में गोली लगी, जिसके बाद पुलिस ने उसे मौके पर ही पकड़ लिया, जबकि उसका साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया।

पुलिस के अनुसार, मुखबिर से सूचना मिलने पर साहिबाबाद रेलवे स्टेशन के पास अंडरपास मार्ग पर सघन चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान संदिग्ध बाइक सवारों को रोकने का इशारा किया गया, लेकिन बदमाशों ने भागने की कोशिश की। पीछा करने पर उनकी बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई। खुद को घिरता देख बदमाश ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने आत्मरक्षा में गोली चलाई, जिससे एक बदमाश के पैर में गोली लग गई।

घायल आरोपी की पहचान पवन उर्फ मोनू (30 वर्ष), निवासी हर्ष विहार, दिल्ली के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से अवैध तमंचा, कारतूस, हिण्डन पुल से छीना गया मोबाइल फोन और चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की है। घायल आरोपी को अस्पताल भेजकर उपचार कराया गया है और उसके खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा रही है। फरार आरोपी की तलाश में पुलिस टीमें लगातार दबिश दे रही हैं।

हर बच्चे तक शिक्षा, हर स्कूल में गुणवत्ता' – सीडीओ अभिनव गोपाल की सख्ती, 18 हजार नामांकन का लक्ष्य तय

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। विकास भवन के दुर्गावती देवी सभागार में मुख्य विकास अधिकारी श्री अभिनव गोपाल की अध्यक्षता में बेसिक शिक्षा विभाग की अप्रैल माह की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने, निपुण विद्यालय आकलन को प्रभावी बनाने और नामांकन बढ़ाने पर जोर दिया गया। सीडीओ ने कहा कि निपुण विद्यालय आकलन का मकसद रैंकिंग नहीं, बल्कि कमियों को पहचानकर सुधार करना है। उन्होंने निर्देश दिए कि निपुण सेल के सहयोग से मॉनिटरिंग मजबूत की जाए और पिछले तीन वर्षों के परिणामों का विश्लेषण कर बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यालयों को सम्मानित किया जाए। स्कूल चलो अभियान के तहत अब तक 9000 बच्चों का नामांकन हुआ है, जबकि 18000 बच्चों का लक्ष्य अभी शेष है। इस गैप को ब्लॉक स्तर पर रणनीति बनाकर जल्द पूरा करने के निर्देश दिए गए। साथ ही 3 से 5 वर्ष के बच्चों का बाल वाटिका में शत–प्रतिशत प्रवेश सुनिश्चित करने पर बल दिया गया। सीडीओ ने बताया कि अब सभी विद्यालय संपर्क टीवी से आच्छादित हैं, जिससे शिक्षण को तकनीकी रूप से और मजबूत बनाया जा सकता है। चिंपल ऐप के 100% उपयोग और अभिभावकों की भागीदारी बढ़ाने के भी निर्देश दिए गए। आरटीई की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताते हुए संघर्षशील विद्यालयों पर विशेष ध्यान देने और मई माह में शत–प्रतिशत निपुण आकलन कराने के निर्देश दिए गए। साथ ही मेगा पीटीएम के सफल आयोजन के लिए ठोस कार्ययोजना बनाने को कहा गया। बैठक में शिक्षा विभाग के अधिकारी, खंड शिक्षा अधिकारी, एआरपी तथा विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

नंदिनी बंसल ने 98% अंक प्राप्त कर विद्यालय में किया टॉप

इंस्टीट्यूट ऑफ फाइन द्वारा व जनप्रतिनिधियों ने किया सम्मानित

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। आई.एस.सी. बोर्ड 12वीं परीक्षा का परिणाम जारी होने पर मोदीनगर की छात्रा नंदिनी बंसल ने 98 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में शीर्ष स्थान हासिल किया है। नंदिनी बंसल सेंट टेरेसा स्कूल की छात्रा हैं और उन्होंने विज्ञान व वाणिज्य वर्ग सहित पूरे विद्यालय में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। नंदिनी की इस उपलब्धि से न केवल विद्यालय बल्कि पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। छात्रा की इस सफलता पर विद्यालय परिवार और परिजनों ने हर्ष व्यक्त किया है। नंदिनी ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने शिक्षकों के मार्गदर्शन के साथ-साथ अपनी माता क्षमा बंसल और पिता अमित बंसल को दिया। विशेष बात यह रही कि छात्रा नंदिनी बंसल को इंस्टीट्यूट ऑफ फाइन द्वारा सम्मानित किया गया। छात्रा ने बताया कि नियमित अध्ययन और शिक्षकों के निर्देशों का पालन ही उनकी सफलता का मुख्य कारण रहा। उन्होंने आगे भी इसी तरह मेहनत जारी रखने की बात कही। नंदिनी की इस उपलब्धि को लेकर विद्यालय में उत्साह का माहौल है और अन्य छात्र-छात्राओं के लिए वह प्रेरणा बनकर उभरी हैं। परिजनों ने भी बेटी की इस सफलता पर गर्व व्यक्त करते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। स्थानीय लोगों ने नंदिनी बंसल को बधाई देते हुए कहा कि उनकी इस उपलब्धि से मोदीनगर का नाम गौरवान्वित हुआ है। इसके साथ ही हिंदू समाज पार्टी के भावी प्रत्याशी अनिल जैन ने भी छात्रा को सम्मानित कर उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

हिन्दू रक्षा दल मोदीनगर के अध्यक्ष बने गौरव राठी

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। स्थानीय सुचेतापूरी गोविंदपुरी निवासी गौरव राठी को हिन्दू रक्षा दल के विधानसभा क्षेत्र मोदीनगर नेतृत्व द्वारा मोदीनगर अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया है।हिन्दू रक्षा दल जिला अध्यक्षा मनीक्षा पवार ने नियुक्ति पत्र में कहा गया है कि आपके द्वारा हिन्दू धर्म, संस्कृति एवं राष्ट्र रक्षा के प्रति दिखाए गए अटूट समर्पण, संगठनात्मक कुशलता तथा निरंतर संघर्ष को देखते हुए हिन्दू रक्षा दल के विधानसभा क्षेत्र मोदीनगर नेतृत्व द्वारा मोदीनगर के अध्यक्ष पद नियुक्त किया जाता है। यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी तथा अगले आदेश तक प्रभावी रहेगी। आपका दायित्व -सभी वार्डो में हिन्दू रक्षा दल का विस्तार करना। धर्म जागरण, हिन्दू एकता एवं स्वरक्षा के कार्यक्रम आयोजित करना। राष्ट्रीय नेतृत्व को नियमित रिपोर्ट प्रस्तुत करना। हमें पूर्ण विश्वास है कि बजरंगबली की कृपा एवं आपके नेतृत्व में हिन्दू धर्म रक्षा का केंद्र बनेगा। युवा समाजसेवी प्रिंस राठी सहित नगर के लोगों ने ने गौरव राठी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

गन्ने के खेत में गोवंश के मिले अवशेष, हिंदू संगठनों ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। निवाड़ी थाना क्षेत्र ग्राम सारा में बृहस्पतिवार को गन्ने के खेत में गोवंशों के टुकड़े पड़े हुए मिले। ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर हंगामा किया और पुलिस प्रशासन के विरोध में नाराजगी जताई। घटनाक्रम की सूचना मिलते ही निवाड़ी थाना पुलिस मौके पर पहुंची इसके बाद पुलिस ने गोवंश के शवों को कब्जे में ले लिया। घटना की सूचना जैसे ही हिंदू रक्षा दल व हिंदू युवा वाहिनी बजरंग दल के कार्यकताओं को मिली तो वह भी मौके पर पहुंचे और गोवंश के अवशेषों को लेकर सड़क पर बैठ गए और धरना प्रदर्शन करना शुरू कर दिया।

सहायक पुलिस सहायक मोदीनगर भास्कर वर्मा ने मौके पर पहुंचकर प्रदर्शन कर रहे लोगों को समझाया और आरोपियों पर जल्द कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। हिंदू रक्षा दल के नगर अध्यक्ष पंकज कंसल, हिन्दू रक्षा दल गौरव राठी, अनिल जैन,हिंदू युवा वाहिनी आदि लोगों ने कहा कि देश और प्रदेश में बीजेपी की सरकार होने के बावजूद गौ माता सुरक्षित नहीं है आए दिन गौ माता की हत्याएं हो रही है लेकिन पुलिस प्रशासन कोई कठोर कार्रवाई नहीं कर रहा है।

दिल्ली बॉर्डर पर कड़ी निगरानी: शालीमार गार्डन पुलिस का सघन चेकिंग अभियान

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। 30 अप्रैल 2026 को शालीमार गार्डन क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से सहायक पुलिस आयुक्त श्री अतुल कुमार सिंह के नेतृत्व में व्यापक चेकिंग अभियान चलाया गया। पुलिस टीम ने बंगाली कॉलोनी में सघन चेकिंग करते हुए संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की गहन जांच की। इस दौरान क्षेत्र में रूट मार्च भी निकाला गया, जिससे आमजन में सुरक्षा का विश्वास बढ़ा। वहीं दिल्ली बॉर्डर पर विशेष सतर्कता बरतते हुए आने-जाने वाले वाहनों की कड़ी जांच की गई। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, इस तरह के अभियान अपराध पर नियंत्रण रखने और असामाजिक तत्वों पर नकेल कसने के लिए लगातार जारी रहेंगे।

बारात में बवाल: दबंगों का तांडव, बारातियों पर हमला–गाड़ियों में तोड़फोड़, कई घायल

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। ग्रेटर नोएडा के जलपुरा गांव में एक शादी समारोह उस वक्त हिंसा में बदल गया, जब कुछ दबंगों ने बारातियों पर हमला बोल दिया। आरोप है कि हमलावरों ने लाठी-डंडों से बारातियों की जमकर पिटाई की, कई गाड़ियों में तोड़फोड़ की और पथराव कर इलाके में दहशत फैला दी।

इस घटना में कई लोग घायल हो गए हैं। जानकारी के अनुसार, कोंडली से आई बारात में सूरजपुर निवासी योगेंद्र अपने परिवार के साथ शामिल हुए थे। उन्होंने अपनी गाड़ी सड़क किनारे खड़ी की थी। वापस लौटने पर जलपुरा गांव के दर्जनों लोगों ने उन पर अचानक हमला कर दिया। बारातियों को बेरहमी से पीटा गया, जिससे कई लोगों के सिर में गंभीर चोटें आईं। हमलावरों ने सड़क पर खड़ी अन्य गाड़ियों को भी निशाना बनाते हुए तोड़फोड़ की। पीड़ित योगेंद्र के मुताबिक, उनके बेटे के सिर में गंभीर चोट आई है।

उन्होंने आरोप लगाया कि हमलावरों ने काफी देर तक उत्पात मचाया और पत्थरबाजी की, जिससे आम राहगीर भी घायल हुए और सड़क पर जाम लग गया।

पीड़ितों ने यह भी आरोप लगाया कि हमलावरों ने विशेष समुदाय को निशाना बनाते हुए गाड़ियों को तोड़ा, खासकर उन वाहनों को जिन पर देवी-देवताओं की तस्वीरें लगी थीं। साथ ही गले से ज्वेलरी लूटने का भी आरोप लगाया गया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को काबू में लिया।

पीड़ित दीपक की शिकायत पर थाना ईकोटेक-3 में यासीन, युसूफ, वकील, आरिफ, नदीम, आलम, जुनैद, माजिद, सद्दाम, फिरोज, कालू, शोएब समेत कई अज्ञात लोगों के खिलाफ मारपीट, जानलेवा हमला और लूट की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को हिरासत में ले लिया है और अन्य की तलाश जारी है। अधिकारियों का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

गाजियाबाद बनेगा और सुरक्षित: अग्नि सुरक्षा के लिए 100 करोड़ की बड़ी मंजूरी

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। गाजियाबाद में तेजी से हो रहे शहरी विस्तार और बहुमंजिला इमारतों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (GDA) ने अग्नि सुरक्षा को मजबूत करने के लिए बड़ा निर्णय लिया है। प्राधिकरण द्वारा 100 करोड़ की धनराशि स्वीकृत की गई है, जिससे अग्निशमन सेवाओं को अत्याधुनिक बनाया जाएगा। अखबार के अनुसार, GDA के प्रस्ताव को बोर्ड से परिचालन (सकुर्लेशन) के माध्यम से मंजूरी मिल चुकी है। इसके बाद अग्निशमन एवं आपात सेवा विभाग को धनराशि हस्तांतरण की प्रक्रिया शुरू करने के लिए पत्र भेजा गया है। विभाग से आवश्यक खाता और तकनीकी विवरण मांगे गए हैं, ताकि जल्द ही राशि उनके खाते में स्थानांतरित की जा सके। योजना के तहत करीब 102 मीटर ऊंचाई तक कार्य करने में सक्षम दो आधुनिक हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म मशीनों की खरीद की जाएगी। इन मशीनों से ऊंची इमारतों में आग लगने की स्थिति में तेजी से और सुरक्षित बचाव कार्य संभव हो सकेगा। प्रदेश सरकार के निर्देशों के अनुरूप GDA इस योजना को तेजी से लागू कर रहा है। संबंधित विभाग से भी अपेक्षा की गई है कि आवश्यक जानकारी शीघ्र उपलब्ध कराकर प्रक्रिया को गति दी जाए, ताकि इस महत्वपूर्ण योजना का लाभ आम जनता को जल्द मिल सके।

आरडीसी सेक्टर-3 में आधुनिक पुलिस चौकी का शुभारंभ: सिटी जोन की सुरक्षा व्यवस्था को मिला नया बल

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। शहर की कानून व्यवस्था को और अधिक सशक्त और प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए थाना कवि नगर क्षेत्र के आरडीसी सेक्टर-3 में आधुनिक सुविधाओं से युक्त नई पुलिस चौकी भवन का भव्य उद्घाटन किया गया। यह चौकी न केवल क्षेत्र में पुलिसिंग को मजबूत करेगी, बल्कि आम नागरिकों को त्वरित और बेहतर सुरक्षा सेवाएं उपलब्ध कराने में भी अहम भूमिका निभाएगी।

उद्घाटन समारोह के दौरान गाजियाबाद की महापौर सुनीता दयाल, सिटी जोन के डीसीपी धवल जायसवाल, एसीपी सूर्यबली मौर्य, थाना प्रभारी अनुराग शर्मा तथा चौकी इंचार्ज यशपाल सिंह सहित कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम में महापौर सुनीता दयाल ने फीता काटकर चौकी भवन का विधिवत उद्घाटन किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि नगर में तेजी से बढ़ती आबादी और शहरी विस्तार को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था का सुदृढ़ होना अत्यंत आवश्यक है। इस नई चौकी के शुरू होने से आरडीसी क्षेत्र सहित आसपास के इलाकों में पुलिस की पहुंच और निगरानी दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह चौकी आधुनिक संसाधनों और तकनीकी सुविधाओं से लैस है, जिससे अपराध नियंत्रण, गश्त व्यवस्था और आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा। साथ ही, स्थानीय नागरिकों की शिकायतों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा। डीसीपी धवल जायसवाल ने कहा कि कमिश्नरेट गाजियाबाद पुलिस लगातार शहर में सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए प्रयासरत है। नई चौकियों की स्थापना, पेट्रोलिंग में वृद्धि और तकनीकी संसाधनों के उपयोग से अपराधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

एसीपी सूर्यबली मौर्य ने भी कहा कि इस चौकी के शुरू होने से क्षेत्र में पुलिस की उपस्थिति मजबूत होगी, जिससे असामाजिक तत्वों में भय और आम जनता में सुरक्षा की भावना बढ़ेगी। उल्लेखनीय है कि यह पहल गाजियाबाद पुलिस के उस व्यापक अभियान का हिस्सा है, जिसके तहत शहर को सुरक्षित, व्यवस्थित और अपराधमुक्त बनाने के लिए लगातार ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

नई पुलिस चौकी के संचालन से निश्चित रूप से क्षेत्रवासियों को राहत मिलेगी और कानून व्यवस्था को नई मजबूती प्राप्त होगी।

केवल सनातन में ही बेटियां सांझी जिम्मेदारी का सामाजिक विचार पनपता हैं: वरुण शर्मा

सुमित सोरेन

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। बेटियां सबकी सांझी होती हैं इसी सनातनी विचार को जीवित रखते हुए गत मंगलवार को हिंदू एकता मंच (कौशांबी) और समाज के लोगो ने मिलकर आर्थिक रूप से कमजोर एक हिंदू परिवार की बेटी की शादी करवाई। पूरा घटना क्रम इस प्रकार हैं की कौशांबी क्षेत्र में रहने वाले एक हिंदू परिवार की बिटिया की शादी थी। अब आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण विवाह के लिए उपयुक्त स्थान और अन्य कुछ व्ययवस्था नही हो पा रही थी।

जैसे ही यह बात कौशांबी निवासी युवा भाजपा कार्यकर्ता और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तीसरी पीढ़ी के स्वयंसेवक वरुण शर्मा जो हिंदु एकता मंच कौशांबी के महासचिव भी हैं उनकी जानकारी में आई उन्होंने तुरंत अपनी समिति के सदस्यों से इस विषय में बात की और सभी सदस्यों ने बेहद खुशी खुशी एकमत से इस कार्य में सहभागीता के लिए हाँ करी।तुरंत ही स्थान के और अन्य बची हुई व्ययवस्था को पूरा किया गया और विवाह प्राचीन सनातन धर्म मन्दिर कौशांबी में पंडित ओमप्रकाश दीक्षित और पंडित देवमणि पांडे द्वारा निर्विघन संपन्न कराया गया। इस ईश्वरीय कार्य में समिति पदाधिकारी सुधीश अग्रवाला, आलोक माथुर, सुशील सिंह, सौरभ गुप्ता, सतीश रस्तोगी, अशोक परवाल,संदीप गुप्ता, अशोक गौतम, कमल ओबेरॉय,वर्षा तोमर, नितिन सहित अन्य बंधुओ ने बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

भीषण गर्मी में यातायात पुलिस को राहत,कैनोपी और छाता वितरित

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। गाजियाबाद जनपद में तेज धूप और भीषण गर्मी से लोग परेशान हैं। सुबह धूप निकलने के साथ तापमान 40 डिग्री के पार चला जा रहा है। दिन में ज्यादातर समय लोगों को झुलसा देने वाले धूप का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में यातायात पुलिस कर्मियों को दिन भर धूप का सीधा सामना करना पड़ता है। जिसको देखते हुए डी.आई.जी राज करण नैय्यर जी के निर्देश पर सभी यातायात पुलिस कर्मियों को छाता और पानी की बोतल वितरित की गई। इसी पर बात करते हुए टी.आई अजय कुमार यादव ने बताया कि धूप से बचाव के लिए सभी पुलिसकर्मियों के लिए छाते अनिवार्य कर दिए गए हैं। गाजियाबाद ट्रैफिक पुलिस ने कुछ चौराहों पर ठंडा पानी, ग्लूकोज, की व्यवस्था भी की है ताकि पुलिसकर्मी डिहाइड्रेशन से बच सकें। लोनी तिराहा पर अपनी ड्यूटी का निर्वाह कर रहे टीआई अजय कुमार यादव ने बताया कि लोनी तिराहा पर जल निगम का कार्य चल रहा है इसलिए राम बलराम द्वार पर वाहनों का डायवर्जन कराया जा रहा है ड्युटी प्वाइंट पर धूप से बचने के लिए छाता की व्यवस्था कराई गई। उन्होंने कहा कि ये कदम ट्रैफिक पुलिस की कार्यक्षमता बनाए रखने और उनकी सेहत की रक्षा के लिए उठाए गए हैं।न्होंने कहा, ₹हमारी कोशिश है कि पुलिसकर्मी इस भीषण गर्मी में भी पूरी मुस्तैदी से अपनी जिम्मेदारी निभा सकें।

सिहानी गेट थाने का औचक निरीक्षण, पुलिस आयुक्त का सख्त संदेश- संवेदनशीलता और पारदर्शिता से ही बनेगी भरोसेमंद पुलिस

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। पुलिस आयुक्त, कमिश्नरेट गाजियाबाद द्वारा नगर जोन स्थित थाना सिहानी गेट का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान थाने की व्यवस्थाओं, अभिलेखों के रख-रखाव, साफ-सफाई, शस्त्रागार की स्थिति एवं अपराध नियंत्रण रजिस्टरों का गहन परीक्षण किया गया। साथ ही आम जनता की शिकायतों के निस्तारण प्रक्रिया की भी विस्तार से समीक्षा की गई।

निरीक्षण के दौरान पुलिस आयुक्त ने अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देशित किया कि कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखते हुए जनता की समस्याओं का त्वरित एवं निष्पक्ष समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि थाने में आने वाले प्रत्येक नागरिक के साथ शालीनता और संवेदनशीलता का व्यवहार प्राथमिकता होनी चाहिए। पुलिस आयुक्त ने नवनियुक्त प्रशिक्षु आरक्षियों की व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया। उनके आवास, भोजन, शौचालय एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं का जायजा लेते हुए उनसे सीधा संवाद किया गया। प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पुलिस सेवा केवल एक नौकरी नहीं, बल्कि समाज के प्रति जिम्मेदारी और सेवा का माध्यम है।

उन्होंने प्रशिक्षु आरक्षियों को बेहतर संवाद कौशल विकसित करने, कानून की गहन जानकारी रखने तथा विपरीत परिस्थितियों में धैर्य और विवेक से कार्य करने की प्रेरणा दी। इसके अतिरिक्त मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत चल रहे अभियानों की समीक्षा करते हुए महिला सुरक्षा से जुड़े मामलों में त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए। थाना परिसर में संचालित मिशन शक्ति केंद्र का निरीक्षण कर महिला पीड़िताओं को शीघ्र न्याय दिलाने पर विशेष जोर दिया गया।

पुलिस आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रशिक्षु आरक्षियों को अपराध नियंत्रण, यातायात प्रबंधन, महिला सुरक्षा, साइबर अपराध रोकथाम एवं सामुदायिक पुलिसिंग जैसे विषयों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाए, साथ ही आधुनिक तकनीकी संसाधनों के उपयोग में दक्ष बनाया जाए, ताकि वे भविष्य की चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना कर सकें।

नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में वांछित आरोपी गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। थाना लोनी पुलिस ने नाबालिग बच्ची के साथ दुष्कर्म के गंभीर मामले में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिनांक 17 अप्रैल 2026 को वादिया द्वारा थाना लोनी में तहरीर दी गई थी कि जहूर हसन पुत्र मोहम्मद शहीद, निवासी अशोक विहार (बिलाल मस्जिद के पास), ने उसकी लगभग 10 वर्षीय बेटी के साथ अश्लील हरकत की। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। जांच के दौरान पीड़िता के बयानों के आधार पर धाराओं में संशोधन करते हुए मामला धारा 65(2) बीएनएस व 5ट/6 पॉक्सो अधिनियम के तहत दर्ज किया गया। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम का गठन किया गया था। इसी क्रम में 30 अप्रैल 2026 को मुखबिर की सूचना पर थाना लोनी पुलिस ने कार्रवाई करते हुए वांछित आरोपी जहूर हसन को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस द्वारा आरोपी के विरुद्ध अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। पुलिस का कहना है कि बच्चों के खिलाफ अपराध करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

गाजियाबाद में बनेगा 92.22 करोड़ का भव्य स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। शहर में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और युवाओं को बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से गाजियाबाद में 92.22 करोड़ रुपये की लागत से एक भव्य स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निर्माण किया जाएगा। यह आधुनिक खेल परिसर राज नगर एक्सटेंशन क्षेत्र में लगभग 48,000 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में विकसित किया जाएगा।

इस महत्वाकांक्षी परियोजना को नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के नेतृत्व में मंजूरी दी गई है और इसके निर्माण कार्य की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। निर्माण कार्य सी एंड डी एस, उत्तर प्रदेश जल निगम द्वारा कराया जा रहा है। प्रशासन का लक्ष्य है कि इस परियोजना को निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरा कर शहर के खिलाड़ियों और युवाओं को अत्याधुनिक खेल सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

प्रस्तावित स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आउटडोर और इंडोर दोनों प्रकार के खेलों की व्यवस्था की जाएगी। आउटडोर खेलों के लिए यहां क्रिकेट पिच, टेनिस कोर्ट, वॉलीबॉल कोर्ट, जॉगिंग ट्रैक, किड्स प्ले एरिया और फिट इंडिया जोन जैसी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इसके अलावा परिसर में हर आयु वर्ग के लोगों के लिए स्वास्थ्य और फिटनेस से जुड़ी गतिविधियों की भी व्यवस्था होगी।

इंडोर खेलों के लिए यह कॉम्प्लेक्स खास तौर पर आकर्षण का केंद्र होगा। यहां बैडमिंटन, बास्केटबॉल, जिमनास्टिक, जूडो, कबड्डी, ताइक्वांडो और स्विमिंग समेत लगभग 30 प्रकार के इंडोर खेलों की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इन खेलों के लिए प्रशिक्षित कोच और प्रशिक्षण सुविधाएं भी विकसित करने की योजना है, जिससे स्थानीय खिलाड़ियों को बेहतर अभ्यास और प्रशिक्षण का अवसर मिल सके।

यह स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स केवल खेल गतिविधियों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि सामाजिक और सामुदायिक गतिविधियों का भी एक महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा। परिसर में बैंक्वेट हॉल, कैफेटेरिया, गेस्ट रूम, योग रूम, क्लीनिक और पर्याप्त पार्किंग जैसी आधुनिक सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी, जिससे यहां आने वाले खिलाड़ियों और नागरिकों को सभी आवश्यक सुविधाएं एक ही स्थान पर मिल सकें।

परियोजना को पर्यावरण अनुकूल तरीके से विकसित करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। परिसर में हरित क्षेत्र, ऊर्जा दक्ष प्रणाली और स्वच्छता से जुड़े मानकों का पालन किया जाएगा, ताकि यह एक टिकाऊ और आधुनिक खेल परिसर के रूप में विकसित हो सके।

नगर निगम के अधिकारियों के अनुसार इस परियोजना को 15 महीनों में पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

गाजियाबाद में मौसम का तांडव: आंधी, बारिश और ओलों से सड़कों पर भरा पानी

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद में गुरुवार को मौसम ने अचानक करवट लेते हुए लोगों को हैरान कर दिया। दोपहर बाद आसमान में घने बादल छा गए और कुछ ही देर में अंधेरा छा गया। इसके बाद तेज हवाओं के साथ झमाझम बारिश शुरू हो गई। कई इलाकों में ओलावृष्टि भी हुई, जिससे मौसम का मिजाज और अधिक उग्र हो गया। तेज बारिश के चलते शहर के कई हिस्सों में जलभराव की स्थिति बन गई। सड़कों पर जगह-जगह पानी भरने से यातायात प्रभावित हुआ और लोगों को आने-जाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। खासकर दोपहिया वाहन चालकों और पैदल यात्रियों को सबसे ज्यादा परेशानी झेलनी पड़ी। आंधी के कारण कई स्थानों पर पेड़ों की टहनियां टूटकर गिर गईं, जिससे रास्ते बाधित हो गए और जाम की स्थिति भी देखने को मिली। अचानक बदले मौसम ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया। प्रशासन द्वारा प्रभावित क्षेत्रों में नजर रखी जा रही है और जलनिकासी के प्रयास किए जा रहे हैं। मौसम विभाग ने आगामी दिनों में भी इसी तरह के मौसम बदलाव की संभावना जताते हुए लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

इन्दिरापुरम अग्निकांड के बाद प्रशासन सख्त: जनसुरक्षा मानकों पर 'जीरो टॉलरेंस' का ऐलान

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। इन्दिरापुरम क्षेत्र में हाल ही में हुए अग्निकांड के बाद जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉंदड़ की अध्यक्षता में आयोजित जिला स्तरीय बैठक में जनसुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कड़े निर्देश जारी किए गए।

बैठक में 17 विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया, जबकि अनुपस्थित अधिकारियों के विरुद्ध नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि 'किसी भी स्थिति में जनसुरक्षा से कोई समझौता स्वीकार्य नहीं होगा।'

जांच के लिए विशेष टीम गठित

अग्निकांड की गहन जांच हेतु एक विशेष टीम का गठन किया गया है, जिसमें जीडीए सचिव को अध्यक्ष बनाया गया है। टीम में एडीएम (एफ/आर), मुख्य अग्निशमन अधिकारी एवं विद्युत सुरक्षा विभाग के अधिकारी शामिल हैं।

हाईराइज बिल्डिंग्स पर विशेष फोकस

जिलाधिकारी ने सभी फ्लैट ओनर एसोसिएशनों को निर्देशित किया कि सोसाइटी में अग्नि सुरक्षा उपकरण पूरी तरह क्रियाशील रहें। अवैध बालकनी विस्तार और गलत पार्किंग को तत्काल हटाने के निर्देश भी दिए गए, क्योंकि ये आपात स्थिति में राहत कार्य में बाधा बनते हैं।

नए फायर स्टेशनों की तैयारी

मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल ने राजनगर एक्सटेंशन समेत अन्य हाईराइज क्षेत्रों के पास नए फायर स्टेशन की आवश्यकता बताई। इस पर जिलाधिकारी ने शीघ्र प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए। वर्तमान में जिले में 5 फायर स्टेशन संचालित हैं और 2 निमार्णाधीन हैं।

स्लम व कबाड़ कारोबार पर सख्ती

कनावनी क्षेत्र में आग की घटनाओं को देखते हुए स्लम क्षेत्रों में अवैध कबाड़ कारोबार को बड़ा कारण माना गया। नगर निगम को ऐसे कार्यों पर रोक लगाने और नियमों के तहत ही लाइसेंस देने के निर्देश दिए गए।

सख्त निरीक्षण और कार्रवाई के निर्देश

जीडीए, विद्युत विभाग, अग्निशमन विभाग सहित सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया कि जिले के सभी हाईराइज भवनों, औद्योगिक इकाइयों, मॉल, होटल, रेस्टोरेंट और शिक्षण संस्थानों में नियमित निरीक्षण किया जाए। लापरवाही मिलने पर सख्त कार्रवाई और जवाबदेही तय की जाएगी।

समन्वित प्रयास से रोकेंगे हादसे

जिलाधिकारी ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए। बैठक में नगर निगम, जीडीए, विद्युत विभाग, पुलिस, श्रम विभाग, स्वास्थ्य विभाग सहित कई अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

एनकाउंटर में घायल बदमाश गिरफ्तार, पुलिस की मुस्तैदी से बड़ी वारदात टली

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। कमिश्नरेट गाजियाबाद में अपराध पर शिकंजा कसते हुए स्वाट टीम, अपराध शाखा व थाना कौशाम्बी पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में एक वांछित बदमाश को मुठभेड़ के दौरान घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के मुताबिक, मु0अ0सं0-113/2026 धारा 304(2) बीएनएस में वांछित आरोपी को मुखबिर की सूचना पर 2/5 पुलिया रोड, एलिवेटेड रोड के नीचे चेकिंग के दौरान रोका गया। बिना नंबर की स्पलेंडर बाइक पर सवार दो संदिग्धों ने रुकने के बजाय भागने का प्रयास किया और पीछा करने पर पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी।

जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश के दोनों पैरों में गोली लगी, जिससे वह घायल होकर गिर पड़ा, जबकि उसका साथी मौके से फरार हो गया। घायल आरोपी की पहचान अब्दुल पुत्र सलाम, निवासी मुर्शिदाबाद (पश्चिम बंगाल), हाल पता मकनपुर, थाना इंदिरापुरम, गाजियाबाद के रूप में हुई है।

उसे तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने आरोपी के पास से 01 अवैध तमंचा (.315 बोर), 01 जिंदा कारतूस, 02 खोखा कारतूस, 01 पीली धातु का कुंडल व बिना नंबर की स्पलेंडर मोटरसाइकिल बरामद की है। फरार आरोपी की तलाश में पुलिस की टीमें लगातार दबिश दे रही हैं और मामले की गहन जांच जारी है।